आश्विन शुक्ल पक्ष त्रयोदशी संवत् 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 92 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
05 अक्टूबर 2025 रविवार

आज का मौसम
32 अधिकतम
23 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

न्यूज विंडो

ट्रंप ने कहा- इजराइल तैयार, हमास का इंतजार

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप हमास और इस्राइल के बीच संघर्ष को खत्म करने का लगातार प्रयास कर रहे हैं। ट्रंप ने शानिवार को बताया कि, इस्राइल प्रारंभिक वापसी रेखा पर सहमत हो गया है और हमास की पुष्टि के बाद युद्धविराम लागू किया जाएगा। ट्रंप ने कहा कि हमास की सहमति के बाद कैदियों और बंधकों की अदला-बदली की जाएगी। डोनाल्ड ट्रंप ने गाजा का नया नक्शा जारी किया है। ट्रुथ पर ट्रंप ने लिखा, बातचीत के बाद इस्राइल वापसी की शुरुआती रेखा पर सहमत हो गया है, जिसे हमने हमास को दिखाया और उसके साथ साझा किया है। जब हमास इसकी पुष्टि करेगा, तो युद्धविराम तुरंत प्रभावी हो जाएगा। बंधकों और कैदियों की अदला-बदली शुरू हो जाएगी और हम वापसी के अगले चरण के लिए परिस्थितियां तैयार करेंगे।

आप से राज्यसभा के लिए अरबपति गुप्ता नॉमिनेट

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी ने राज्यसभा के लिए राजिंदर गुप्ता को नॉमिनेट किया है। गुप्ता करीब 5 हजार करोड़ के कारोबारी हैं। वे राज्यसभा चुनाव के लिए आप के प्रत्याशी घोषित किए गए हैं। आम आदमी पार्टी ने पंजाब से उन्हें अपना कैंडिडेट बनाया है। मालूम हो कि पंजाब की राज्यसभा सीट संजीव अरोड़ा के इस्तीफे के बाद खाली हुई है। संजीव अरोड़ा ने लुधियाना विधानसभा उपचुनाव लड़ा और जीते।

एयर इंडिया फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग

अमृतसर, एजेंसी। अमृतसर से बर्मिंघम जा रही एअर इंडिया की फ्लाइट ए आई 117 में लैंडिंग से ठीक पहले अचानक इमरजेंसी सिस्टम एक्टिव हो गया, जिसके बाद बर्मिंघम एयरपोर्ट पर प्लेन की इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। हालांकि राहत की बात ये रही कि सभी यात्री और क्रू मेंबर्स पूरी तरह सुरक्षित हैं. यह घटना प्लेन की फाइनल अप्रोच यानी लैंडिंग की फाइनल प्रक्रिया के दौरान हुई, जब विमान लगभग रनवे के करीब था।

मासूमों की जान जाने के बाद अब हो रहे जांच और सख्त एक्शन के दावे

बैतूल में भी कफ सिरप से हुई दो बच्चों की मौत, छिंदवाड़ा मामले में डॉक्टर गिरफ्तार

भोपाल/बैतूल/छिंदवाड़ा, दोपहर मेट्रो

प्रदेश के स्वस्थ्य विभाग की आपराधिक लापरवाही मासूम बच्चों पर भारी पड़ रही है। छिंदवाड़ा में कफ सिरप से 11 बच्चों की मौत के बाद अब बैतूल जिले में भी ऐसा ही मामला सामने आया है। बैतूल के आमला ब्लॉक के दो गांवों में कफ सिरप पीने से दो मासूमों की जान चली गई। आमला ब्लॉक के मेडिकल ऑफिसर डॉ. अशोक नरवरे ने बताया कि ढाई साल के गर्मित और चार साल के कबीर यादव की मौत इलाज के दौरान काफी पहले हुई लेकिन खुलासा अब हुआ है। अब इस मामले में भी जांच की औपचारिकता की जा रही है। उधर, छिंदवाड़ा मामले में बच्चों को कोल्ड्रिफ कफ सिरप लिखने वाले डॉक्टर प्रवीण सोनी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

खबर है कि बैतूल के जामुन बिछुआ गांव निवासी गर्मित और कलमेश्वरा गांव निवासी कबीर यादव की तबियत बिगड़ने पर परिजन परासिया क्षेत्र के एक डॉक्टर के पास ले गए थे। बताया जा रहा है कि वहीं से बच्चों को एक कफ सिरप दिया गया था, जिसे पीने के बाद दोनों की हालत गंभीर होती चली गई। इसके बाद परिजनों ने उन्हें पहले आमला और फिर बैतूल जिला अस्पताल में भर्ती कराया, लेकिन हालत में सुधार नहीं होने पर दोनों को भोपाल के हमीदिया अस्पताल रेफर किया। चार साल के कबीर की मौत 8 सितंबर को हुई थी, जबकि ढाई साल के गर्मित 1 अक्टूबर को डैम तोड़ दिया। रिपोर्ट्स के अनुसार, गर्मित की किडनी फेल होने की पुष्टि डॉक्टरों ने की है। बीएमओ डॉ. अशोक नरवरे ने बताया कि दोनों मामलों की विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर बैतूल जिला प्रशासन को भेज दी गई है। जिस डॉक्टर से बच्चों का इलाज करवाया गया था, उसकी भूमिका की भी जांच की जा रही है।

छिंदवाड़ा में डॉक्टर को पकड़ा

दूसरी ओर छिंदवाड़ा में 11 बच्चों की मौत के बाद पुलिस ने कफ सिरप लिखने वाले डॉक्टर प्रवीण सोनी को बीती देर रात गिरफ्तार कर लिया। इससे पहले शनिवार को ही परासिया थाना में डॉक्टर प्रवीण सोनी और कोल्ड्रिफ सिरप बनाने वाली कंपनी sresun फार्मासूटिकल के संचालकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गयी थी। मामले में ड्रग्स एवं कॉस्मेटिक एक्ट की धारा 27(ए), बीएनएस की धारा 105 और 276 के तहत केस दर्ज किया गया है। डॉक्टर के खिलाफ परासिया सीएचसी से बीएमओ अंकित सहलाम ने शिकायत की थी। छिंदवाड़ा में मरने वाले ज्यादातर बच्चों को कफ सिरप डॉ. प्रवीण सोनी ने ही लिखी थी।

डायएथिलीन ग्लाइकोल ज्यादा

जिस सिरप से बच्चों की मौत हुई थी, उसकी जांच रिपोर्ट शनिवार देर रात आई थी। रिपोर्ट में पाया गया कि कोल्ड्रिफ कफ सिरप में डायएथिलीन ग्लाइकोल की मात्रा 48.6 फीसदी थी, जिससे स्वास्थ्य को गंभीर क्षति पहुंच सकती है। इस सिरप की बिक्री को अब पूरे प्रदेश में प्रतिबंधित कर दिया गया है। यह सिरप कांचीपुरम की एक फैक्ट्री में बनाया गया था। घटना के बाद राज्य सरकार ने तमिलनाडु सरकार से जांच कराने का अनुरोध किया। रिपोर्ट कड़ी कार्रवाई की गई है। सरकार दावा कर रही है कि मामले की जांच के लिए राज्य स्तर पर एक टीम गठित की गई है और दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा।

विपक्ष हमलावर

कफ सिरप से बच्चों की मौत मामले को लेकर वरिष्ठ कांग्रेस नेता कमलनाथ ने राज्य सरकार को घेरा है। उन्होंने कहा कि सरकार को पीड़ित परिवारों 50-50 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देनी चाहिए। उनका यह बयान मुख्यमंत्री की तरफ से पीड़ित परिवारों को 4-4 लाख रुपये का मुआवज़ा देने की मंजूरी के बाद आया है। नाथ ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, छिंदवाड़ा में ज़हरीली कफ सिरप पीने से अब तक 10 बच्चों की मौत हो चुकी है। यह सिर्फ़ एक दुर्घटना नहीं, बल्कि मानव निर्मित त्रासदी है।

सिर्फ कफ सिरप में ही नहीं पूरे सिस्टम में घुला है जहर

छिंदवाड़ा और बैतूल में बीमारी का इलाज करवाने गए नौनिहालों की कफ सिरप पीने से हुई मौत क्या सिर्फ लापरवाही है? दवा कंपनी पर बैन और एक डॉक्टर की गिरफ्तारी भर से क्या बात खत्म हो जानी चाहिए ? यह घटना दर्शाती है कि कफ सिरप से कहीं ज्यादा ज़हर हमारे सिस्टम में घुल गया है जो किसी भी तरह खत्म नहीं हो रहा। हर हादसे की तरह ही इस बार भी जांच और सख्त कार्रवाई के बड़े दावे किये जा रहे हैं लेकिन ऐसे दावों का क्या हश्र होता है, यह किसी से छिपा नहीं है। कोशिश होती है कि किसी भी तरह मामला तात्कालिक रूप से शांत किया जाए। जनता का क्या है, उसकी याददाश्त बहुत कमजोर होती है। हमारे सिस्टम के लिए इससे ज्यादा शर्मनाक और क्या हो सकता है कि पहली मौत 4 सितम्बर को होने के बाद सेम्पल भेजने में ही 10 -15 दिन लग गए और रिपोर्ट 4 अक्टूबर को आई। केंद्र सरकार को यह कहना पड़ रहा है कि प्रदेश की सरकार स्लीपिंग मोड पर थी। अगर समय रहते जांच होती तो सात-आठ बच्चों की जान बच जाती। इससे पहले राजस्थान में तीन बच्चों की मौत हो चुकी थी। इसकी खबर आने के बाद भी प्रदेश सरकार नहीं जागी। सवाल यह भी कि आज भी हम ऐसी एक लैब तैयार क्यों नहीं कर पाए जहाँ ऐसी जांच कर जल्द रिपोर्ट मिल सके। खाद्य एवं औषधि प्रशासन का काम कैसे चल रहा है, इसकी भी कभी किसी ने सुध नहीं ली। न वहां पर्याप्त अमला है और न ही साधन।

सूरत-ए- हाल
अनिल शर्मा

दरअसल, बात जांच और रिपोर्ट आने तक ही सीमित नहीं है। ऐसी दवा जिसमे 48 फीसदी से अधिक घटिया और जहरीला सॉल्वेंट मिला हो वह सरकारी अस्पतालों तक पहुंच कैसे सकती है। पहले भी तो कोई जांच हुई होगी , जिसमे इसे क्लीनचिट मिली होगी। वास्तविकता अरबों का कारोबार कर रहे दवा माफिया और सरकारी मशीनरी के गठजोड़ में छिपी हुई है। जाहिर है, इसमें ऊपर से नीचे तक पूरी अफसरशाही भागीदार है। दवा सप्लाई की चेन कैसे काम करती है कैसे जिम्मेदारों को उपकृत किया जाता है, यह अब कोई राज़ की बात नहीं रही। सरकार अस्पतालों में सप्लाई किस तरह से हो रही है इसकी तह में जाना पड़ेगा। इसलिए बात किसी एक कंपनी को ब्लैकलिस्ट करने या जांच की औपचारिकता से नहीं बनने वाली। जरूरत गहन सफाई की है वरना मासूमों की सस्ती जान यूं ही जाती रहेगी। हो सकता है... इच्छाशक्ति तो हो।

निर्णायक मैच के पहले बीमार पड़े ऑस्ट्रेलिया 'ए' के चार खिलाड़ी

होटल का खाना खाने के बाद पेट में संक्रमण

कानपुर, एजेंसी

यहां ग्रीन पार्क स्टेडियम में भारत-ए और ऑस्ट्रेलिया-ए के बीच आज निर्णायक वनडे मुकाबले के पहले ऑस्ट्रेलिया के चार खिलाड़ियों की तबियत बिगड़ गई। सभी को पेट में संक्रमण की समस्या हुई, जिनमें तेज गेंदबाज हेनरी थॉर्नटन को गंभीर हालत में रीजेंसी अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। बाकी तीन खिलाड़ियों को मेडिकल जांच के बाद छुट्टी दे दी गई। माना जा रहा है कि होटल का खाना खाने के बाद खिलाड़ियों की तबीयत खराब हुई, हालांकि इस बात की आधिकारिक पुष्टि अस्पताल या ऑस्ट्रेलियाई टीम मैनेजमेंट ने नहीं की है। ऑस्ट्रेलियाई टीम मैनेजर के अनुसार, चार खिलाड़ियों को जांच के लिए अस्पताल भेजा गया था। रिपोर्ट सामान्य आने पर तीन खिलाड़ियों को वापस भेज दिया गया, लेकिन हेनरी थॉर्नटन में गंभीर संक्रमण के लक्षण पाए गए, जिसके चलते उन्हें भर्ती रखना पड़ा। हालत बेहतर होने के बाद उन्हें भी वापस होटल भेज दिया गया। इस घटना के बाद टीम प्रबंधन ने खिलाड़ियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए डाइट चार्ट में बदलाव किया है। इससे टीम की आगामी तैयारियों पर असर पड़ा है, लेकिन प्रबंधन ने खिलाड़ियों की सेहत को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की बात कही है। बताया जा रहा है कि बीमार पड़े खिलाड़ी पहले वनडे में टीम का हिस्सा थे। सूत्रों के मुताबिक, ऑस्ट्रेलिया-ए की मेडिकल टीम स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है और खिलाड़ियों को स्थानीय भोजन व पानी से सतर्क रहने की सलाह दी गई है। रीजेंसी अस्पताल के चिकित्सकों ने बताया कि थॉर्नटन की हालत में सुधार है, लेकिन उनके मैदान पर वापसी का समय फिलहाल तय नहीं किया जा सकता। इस पूरे मामले पर होटल लैंडमार्क के मैनेजमेंट ने टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। फूड डिपार्टमेंट का कहना है कि उन्होंने होटल के खाने के सैंपल्स लिए, लेकिन जांच में कुछ आपत्तिजनक या फिर गलत नहीं मिला।

पटना में आज चुनाव आयोग की बैठकें, प्रेस कान्फ्रेंस होगी

पटना, एजेंसी

बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर चुनाव आयोग हर स्तर पर तैयारियों को अंजाम देने में जुटा है। सिर्फ अब तारीखों का ऐलान होना शेष रह गया है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पिछले दो दिन से अपनी टीम के साथ पटना में डेरा डाले हुए हैं और राजनैतिक दलों के साथ उनकी बैठकें चल रही हैं। हालांकि इस बैठक में कुछ पार्टियों को न बुलाए जाने से उनमें नाराजगी भी है। आयोग ने आज सुबह 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक विभिन्न अधिकारियों के साथ तीन बैठकें कीं और उनसे फीडबैक लिया। बिहार में आज मुख्य चुनाव आयुक्त ने सुबह 9.30 से 11 बजे तक इन्फोर्समेंट एजेंसियों के अधिकारियों के साथ बैठक हुई। इसके बाद सुबह 11.30 से दोपहर 12 बजे तक बिहार के मुख्य निर्वाचन अधिकारी, एसपीएनओ व सीएपीएफ नोडल अधिकारियों व दोपहर 12 से 1 बजे तक चुनाव आयोग की टीम मुख्य सचिव, डीजीपी और बाकी आला अफसरों के साथ तैयारियों की समीक्षा की।

नाम के आगे राजाओं के विशेषण लगाने से हाईकोर्ट को ऐतराज

हमारे देश में लोकतंत्र है, यहां कोई राजा-महाराजा, प्रिंसेस या नवाब नहीं

जयपुर, एजेंसी

जयपुर के पूर्व राजघराने से जुड़ी याचिकाओं में 'महाराजा' और 'प्रिंसेस' जैसे शब्द लिखे होने पर राजस्थान हाई कोर्ट ने एतराज जताया है। पूर्व राज परिवार के सदस्यों के वारिसान संबंधी विवाद से जुड़ी एक याचिका पर सुनवाई करते हुए हाई कोर्ट ने टिप्पणी की। हाई कोर्ट ने कहा कि यह लोकतंत्र है, कोई राजघराना नहीं। महाराज या प्रिंसेस जैसे शब्दों का इस्तेमाल याचिकाओं में नहीं होना चाहिए। उन्होंने मामले की पैरवी करने वाले वकीलों से कहा कि वे याचिकाओं में से महाराज और प्रिंसेस जैसे शब्दों को हटवाएं, वरना याचिकाएं खारिज कर दी जाएंगी।

पूर्व राजपरिवार से जुड़े दिवंगत जगत सिंह और पृथ्वीराज सिंह के कानूनी वारिसों की ओर से हाई कोर्ट में याचिकाएं दाखिल की गई है। ये याचिकाएं वर्ष 2001 से हाई कोर्ट में लंबित हैं। इन याचिकाओं के टाइटल में ही 'महाराज' और 'प्रिंसेस' शब्द लिखे हुए हैं। जस्टिस महेंद्र कुमार गोयल ने कहा कि टाइटल से इन शब्दों को हटाएं, वरना याचिकाएं खारिज कर दी जाएंगी। अब इन याचिकाओं के टाइटल से महाराज और प्रिंसेस शब्द हटाकर दोबारा पेश की जाएंगी। मामले की सुनवाई 13 अक्टूबर तय की गई है।

अनुच्छेद 363 ने इन शब्दों को किया समाप्त

अदालत ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 363 ए में यह प्रावधान जोड़ा गया है कि पूर्व राजपरिवार के प्रिवियर्स को समाप्त किया जा चुका है। संविधान में सभी लोगों को समानता का अधिकार प्राप्त है। ऐसे में कोई भी व्यक्ति अपने नाम से पहले राजा, महाराजा या नवाब जैसे शब्दों का इस्तेमाल नहीं कर सकता।

मेट्रो एंकर | पटना से दिल्ली की फ्लाइट के सह कप्तान थे छपरा के सांसद, मौसम का हाल भी बताया

विमान उड़ा रहे थे रूड़ी, यात्री शिवराज ने लिखा 'दिल जीत लिया'

नईदिल्ली, एजेंसी

प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को पटना से जिस फ्लाइट से दिल्ली के लिए उड़ान भरी वह सुर्खियों में है। इसकी वजह थी, विमान के सह-कैप्टन की सीट पर बैठे बीजेपी के सीनियर लीडर और छपरा सांसद राजीव प्रताप रूडी। बीजेपी के दो सीनियर लीडर जब फ्लाइट के अंदर मिले, तो दोनों के चेहरे खिल उठे। वहीं, विमान में बैठे अन्य यात्रियों के लिए भी ये यात्रा खास और यादगार बन गई। शिवराज ने अपनी इस विमान यात्रा के अनुभव को सोशल मीडिया पर साझा किया है।

अंदाज पर फिदा हुए शिवराज

शिवराज सिंह ने लिखा आज आपने दिल जीत लिया। दरअसल, फ्लाइट में कैप्टन राजीव प्रताप रूडी के अंदाज बेहद खास था। रूडी ने फ्लाइट के उड़ाने भरते ही कहा, आज पटना के चारों ओर बादलों ने डेरा जमा रखा है, कल से लगातार बारिश हो रही है। बादलों के बीच और हल्की बारिश के साथ हम दिल्ली की यात्रा की शुरुआत करने जा रहे हैं। रास्ते में हम बनारस के ऊपर से गुजरेंगे। फिर बाईं ओर प्रयागराज और दाईं ओर लखनऊ दिखाई देंगे। गंगा जी और यमुना जी के दर्शन करते हुए हम दिल्ली का सफर पूरा करेंगे और उतरते समय बादल न रहे, तो नोएडा की हाई राइज बिल्डिंग्स की रोशनी भी देखने मिलेगी।

तालियां बजाते दिखे यात्री

विमान में मौजूद हर यात्री गंभीरता से पायलट की आवाज सुन रहा था। दरअसल, ये वही आवाज है, जो आमतौर पर संसद में सुनाई देती रही है। हालांकि, इस बार जगह और रूडी का अंदाज एकदम जुदा नजर आया। विमान यात्रा के अंत में जब रूडी ने यात्रियों से सफल यात्रा के लिए ताली बजाने का अनुरोध किया, तो पूरा विमान तालियों से गूंज उठा। शिवराज सिंह ने इस क्षण को अद्भुत और अभूतपूर्व अनुभव बताया और लिखा- रूडी का यह अंदाज यादगार था, जो यात्रियों के दिल में उतर गया। मैं इसे शायद ही कभी भुला पाऊंगा। सांसद राजीव प्रताप रूडी उन राजनीतिक नेताओं में से एक हैं, जो लाइसेंसधारी पायलट भी हैं। वे समय-समय पर अपने इस पेशेवर जुनून को एंज्वॉय करते हुए विमान में नजर आते हैं। रूडी के कई वीडियो भी सोशल मीडिया पर मौजूद हैं, जिनमें वह विमान उड़ाते नजर आते हैं.

गौतम अडानी खरीदेंगे एंबी वैली और सहारा शहर!

नई दिल्ली, एजेंसी। सहारा समूह अब अपनी कुछ बड़ी संपत्तियों को अडानी प्रॉपर्टीज को बेचकर निवेशकों का पैसा लौटाना चाहता है। इस डील को पूरा करने की अनुमति देने के लिए समूह ने सुप्रीम कोर्ट में आवेदन किया है। अगर कोर्ट इस डील की अनुमति दे देता है तो वर्षों से हजारों निवेशकों का पैसा वापस मिलने का रास्ता खुल सकता है। सहारा समूह की कंपनी, सहारा इंडिया कमर्शियल कॉरपोरेशन लिमिटेड ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर जिन संपत्तियों को बेचने की अनुमति मांगी है उनमें महाराष्ट्र की एंबी वैली और लखनऊ का सहारा शहर भी शामिल हैं। याचिका पर संभवतः 14 अक्टूबर को सुनवाई होगी। समूह से संबंधित विभिन्न संपत्तियों को अडानी प्रॉपर्टीज प्राइवेट लिमिटेड को 6 सितंबर की 'टर्म शीट' में निर्धारित नियमों एवं शर्तों पर बेचने की बात कही गई है। याचिका में कहा गया कि इस न्यायालय द्वारा समय-समय पर पारित विभिन्न आदेशों के अनुसरण से सहारा समूह बड़ी मुश्किल से अपनी कुछ चल एवं अचल संपत्तियों को बेचने में सक्षम हुए हैं।

आयुर्वेद छात्रों को फीस का डबल झटका

विद्यार्थियों पर सालाना पड़ रहा करोड़ों का अतिरिक्त बोझ, हर साल 40 हजार से अधिक लेते हैं प्रवेश

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

देशभर के आयुर्वेद छात्रों को अपनी साढ़े पांच साल की स्नातक पढ़ाई के दौरान नेशनल कमीशन फॉर इण्डियन सिस्टम ऑफ मेडिसिन (एनसीआइएसएम) द्वारा अनिवार्य किए गए ऑनलाइन इलेक्टिव कोर्सेस की फीस के कारण आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कॉलेजों की मोटी फीस (निजी कॉलेजों में 2 लाख से 5 लाख रुपये सालाना तक) देने के बावजूद, छात्रों को अब हर 'प्रोफ' (प्रोफेशनल एग्जाम स्टेज) में इलेक्टिव कोर्स के लिए अतिरिक्त फीस देनी पड़ रही है। यह फीस सीधे छात्रों द्वारा आयोग को जमा की जाती है।

करोड़ों का अतिरिक्त बोझ

देशभर के 600 से ज्यादा आयुर्वेद कॉलेजों में हर साल 40 हजार से अधिक छात्र प्रवेश लेते हैं। प्रत्येक छात्र को प्रति 'प्रोफ' कम से कम 1770 रुपए (जीएसटी सहित) फीस देनी पड़ती है, जिससे छात्रों के लिए बड़ी मुसीबत बन जाती है। डॉ. राकेश पाण्डेय के अनुसार, इस अनिवार्यता के कारण एनसीआइएसएम को देशभर के छात्रों से प्रति 'प्रोफ' न्यूनतम 7 करोड़ 8 लाख से ज्यादा की राशि प्राप्त होती है।

प्रत्येक कोर्स की फीस 500 रुपए रखी

छात्रों को बेसिक ऑफ फॉर्मेकोलॉजी, फंडामेंटल्स ऑफ आयुर्वेद, बेसिक ऑफ स्पोर्ट्स मेडिसिन, टेलोमेडिसिन एण्ड टेलेहेल्थ जैसे विभिन्न विषयों में ऑनलाइन इलेक्टिव कोर्स करना अनिवार्य है। इनमें से प्रत्येक कोर्स की फीस 500 रुपए रखी गई है।

इलेक्टिव कोर्स हों फ्री

आयुष मेडिकल एसोसिएशन के राष्ट्रीय प्रवक्ता

डॉ. राकेश पाण्डेय ने छात्र हित में इन ऑनलाइन इलेक्टिव कोर्सेस को पूरी तरह से फ्री करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि छात्र पहले से ही लाखों फीस दे रहे हैं। इस संबंध में केंद्रीय आयुष मंत्री, केंद्रीय आयुष सचिव और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ज्ञापन भेजा है।

हिन्दी माध्यम, फिर भी दे रहे आंतरिक परीक्षाओं के प्रश्नपत्र अंग्रेजी में

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राज्य सरकार ने हिंदी माध्यम में एमबीबीएस कोर्स शुरू कर छात्रों को बड़ी राहत देने का दावा किया था, लेकिन भोपाल की गांधी मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) हकीकत कुछ और ही बयां करती है। यहां आंतरिक परीक्षाओं के प्रश्नपत्र अब भी पूरी तरह अंग्रेजी में दिए जा रहे हैं। नतीजा यह है कि हिंदी माध्यम से पढ़ने वाले मेडिकल के छात्र-छात्राएं उलझन और असमंजस में पड़ जाते हैं। छात्रों ने कहा कि प्रश्नपत्र अंग्रेजी में होने से हिंदी में उत्तर लिखने का आत्मविश्वास टूट जाता है। एक छात्र ने बताया कि इतनी बड़ी पहल के बाद भी परीक्षा हिंदी माध्यम के अनुकूल नहीं है। यह छात्रों के साथ अन्याय है।

विवि की द्विभाषी परीक्षा भी अधूरी

मध्यप्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर में प्रश्नपत्र द्विभाषी जरूर मिलते हैं, लेकिन बहुविकल्पीय प्रश्न (एमसीक्यू) सिर्फ अंग्रेजी में ही रहते हैं। यानी छात्रों को वहां भी पूरी तरह सुविधा नहीं मिल पाती।

बड़े दावे, नतीजे नदारद

12 अक्टूबर 2022 को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और तत्कालीन मुयमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने हिंदी माध्यम की शुरुआत को ऐतिहासिक कदम बताया था। सरकार ने 10 करोड़ रुपये खर्च कर हिंदी मेडिकल किताबें भी छपवाई थीं। लेकिन छात्रों का कहना है कि न तो अध्यापन पद्धति बदली और न ही परीक्षा प्रणाली।

नहीं भर पाए किस्त, बैंकों से आ रहा बकाया लोन का मैसेज

दो माह से वेतन को तरस रहे शिक्षक

भोपाल, दोपहर मेट्रो

सभी जहां त्योहार की खुशियां मना रहे हैं तो वहीं करीब एक हजार ऐसे शिक्षक जिनके चेहरे पर मायूसी है। इन्हें दो माह से वेतन नहीं मिला। होमलोन बकाया हो गया। किस्त जमा न करने पर बैंकों से इनके पास मैसेज पहुंचने लगे हैं। शिक्षकों ने बताया कि इस त्योहारी सीजन में आर्थिक तंगी का शिकार हो गए। शिकायत करने पर जवाब मिला आपके वेतन के लिए बजट का मदद जीरो हो गया है। प्रदेश में कक्षा एक से आठ तक की व्यवस्था के लिए राज्य शिक्षा केन्द्र जिम्मेदार है। राजधानी में करीब सात सौ प्राइमरी और मिडिल हैं। इन स्कूलों के लिए जन शिक्षक, बीआरसी, बीएसी बनाए गए हैं। इन पदों पर शिक्षकों केा ही प्रतिनियुक्ति दी गई है। शिक्षकों ने बताया कि ई अटेन्डेंस के चलते वेतन के लिए अलग से प्रावधान हुआ। लेकिन इसके लिए बजट नहीं है। ऐसे में दो माह से वेतन जारी नहीं हो सका। कई शिक्षकों के बुरे हाल हो गए हैं। सरकारी नौकरी में पहली बार ऐसा हुआ जब वेतन नहीं दिया जा रहा है। त्योहारों के दौरान विभाग खास इंतजाम करता है यहां तो हाल उल्टा ही दिख गया। अधिकारियों ने अब तक ध्यान नहीं दिया।

नहीं मना पाए त्योहार

राजधानी में जनशिक्षक प्रेमनारायण ने बताया लोन पर मकान हैं। किस्त जमा नहीं कर पाए। अब मैसेज आ रहे हैं। वहीं त्योहार में परिवार की जरूरतें भी पूरी नहीं कर पाए। त्योहार नहीं मना पाए। सोसायटी में जो कार्यक्रम करते थे उससे भी दूर होना पड़ा। वेतन न मिलने का यह तीसरा माह शुरू हो गया है। मामले में जिला और राज्य स्तर पर शिकायत कर चुके हैं। प्रदेश में करीब चार सौ ब्लॉक हैं। हर ब्लॉक में स्कूलों के इंतजाम के लिए जनशिक्षक हैं। ये अटैचमेंट पर हैं।

पंजीयन विभाग ने 85 करोड़ कमाए, 6700 से ज्यादा हुई रजिस्ट्री

बाजार में धनवर्षा: नवरात्र में रजिस्ट्री का बूम, दीपावली तक और उम्मीद

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

नवरात्र में राजधानी में जमीन की रजिस्ट्रियों की बूम रही। 22 सितंबर से लेकर एक अक्टूबर तक नौ दिनों में जिले में 6700 रजिस्ट्रियां हुई। पंजीयन विभाग को एक पंजीयन से करीब सवा लाख रुपए की कमाई हुई। इस तरह औसत कमाई से यह करीब दस फीसदी अधिक रही। विभाग ने 8000 पंजीयन के लिए व्यवस्थाएं कर रखी थीं, जिससे कोई दिक्कत नहीं आई। सबसे ज्यादा पंजीयन 25 सितंबर से लेकर 28 सितंबर तक चार दिन में हुआ। छुट्टी के दिन भी पंजीयन कार्यालय में काम हुआ। मार्च के बाद सिर्फ नवरात्र में ही रोजाना पंजीयन का आंकड़ा 400 से अधिक रहता है।

माना जा रहा है कि दीवाली तक आने वाले 15 दिन भी रौनक जारी रह सकती है। पंजीयन से विभाग ने प्रतिमाह 70 करोड़ रुपए कमाई का लक्ष्य तय किया है, लेकिन सितंबर में उसकी कमाई 130 करोड़ रुपए के करीब रही। इसकी 50 फीसदी

नवरात्र के नौ दिनों में ही हुई। सालभर में 1000 करोड़ रुपए कमाई का लक्ष्य है।

वहीं सितंबर का महीना ऑटोमोबाइल और इलैक्ट्रॉनिक्स के लिए ऐतिहासिक साबित हुआ। जीएसटी कट, फेस्टिव सीजन के उत्साह, मोटे डिस्काउंट और मजबूत मांग ने मिलकर धमाल मचा दिया है। कार से लेकर टू-वीलर और फोर वीलर कंपनियों तक ने बिक्री की नई ऊंचाइयां छू ली हैं। राजधानी में वाहन कारोबार में गत वर्ष की तुलना में बेहतर ग्रोथ दिखाई दी। गत वर्ष राजधानी और आसपास मिलाकर नवरात्रि के नौ दिनों में जहां 8000 कारें बिकी थी, वहीं इस बार 9500 कारें बिकी। इसी प्रकार दोपहिया गत वर्ष 2500 बिके थे, इस बार यह आंकड़ा 3100 पर पहुंच गया। ये आंकड़े कारोबारियों से प्राप्त हुए है। वाहन विक्रेताओं के अनुसार नवरात्र में 1200 सीसी की गाड़ियों पर मिल रही डिस्काउंट का लोग खूब फायदा उठाया। इसी तरह जीएसटी रेट कट का फायदा वेन्यू जैसी गाड़ियों को भी खूब मिला।

60 फीसदी फ्लैट की रजिस्ट्री

भोपाल में फ्लैट कल्चर तेजी से बढ़ रहा है। नवरात्र में हुए पंजीयन से ये स्थिति स्पष्ट हो रही है। 60 फीसदी पंजीयन फ्लैट के ही हुए हैं। इसमें अयोध्या बायपास, बावड़िया, नर्मदापुरम रोड से जुड़े प्रोजेक्ट में लोगों की ज्यादा रूचि दिखायी। नवरात्र में कुछ लोगों ने फार्म हाउस समेत बड़ी जमीनों के सौदे भी किए। हालांकि, सिंगलेक्स के लिए दस फीसदी पंजीयन हुए। इसके बाद एमआइजी फ्लैट्स खूब बिके। नवरात्र में पंजीनयन के संबंध में पुख्ता व्यवस्था विभाग ने की थी। सभी कर्मचारी, सब रजिस्ट्रार अलर्ट पर थे। संपदा 2.0 पर इस बार बेहतर काम हुआ। इससे किसी को पंजीयन में कोई दिक्कत नहीं आयी। धनतेरस और दीपावली पर भी पुख्ता व्यवस्था रहेगी।

इलेक्ट्रॉनिक्स कारोबार भी बढ़ा

15 अगस्त से 22 सितंबर तक वाहनों की जो सेल रूकी हुई थी, वह नवरात्रि में पूरी होते हुए दिखाई दी। बीते 9 दिनों में राजधानी के वाहन कारोबार में 18 से 19 फीसदी की ग्रोथ रही। यह सिलसिला दिवाली तक इसी तरह चलने की उम्मीद कर रहे हैं।

संदिग्ध परिस्थितियों में महिला की मौत

भोपाल। ऐशबाग थाना क्षेत्र स्थित जागृति कॉलोनी में कल शाम एक महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। उल्टियां करने के बाद वह बेसुध होकर गिर गई?थी। पति उसे इलाज के लिए हमीदिया अस्पताल लेकर पहुंचा, वहां डॉक्टर ने चेक करने पर उसे मृत घोषित कर दिया। अनुमान है कि उसने कोई जहरीला पदार्थ पीया है। हालांकि पुलिस को घर की तलाशी लेने पर कोई जहर या जहर की शीशी सहित रेपर नहीं मिला है। पुलिस पीएम रिपोर्ट मिलने का इंतजार कर रही है। पुलिस के अनुसार साक्षी मोहिते पति बृजेश उर्फअजय तायवड़े (25) जागृति कॉलोनी ऐशबाग में रहती थी। वह गृहणी थी, जबकि पति मिस्त्री का काम करता है। बृजेश ने पुलिस को बताा कि उसकी शादी साक्षी से वर्ष 2017 में हुई थी। साक्षी और बृजेश के तीन बच्चे हैं। बृजेश ने बताया कि शनिवार शाम वह काम करने के बाद घर लौटा तो पत्नी बाथरूम में थी। वह उल्टियां कर रही थी। उल्टियां करने के बाद कमरे में आकर बेसुध होकर गिर गई। वह पत्नी को लेकर तत्काल हमीदिया अस्पताल पहुंचा, वहां डॉक्टर ने चेक करने पर साक्षी को मृत घोषित कर दिया।

ध्वनि प्रदूषण का स्तर 40 प्रतिशत बढ़ा

भोपाल, दोपहर मेट्रो

त्योहारी सीजन में शहर की शांति छिन्न गई है। साइलेंट जोन में सामान्य से चालीस प्रतिशत ज्यादा शोर हो रहा है। यह दावा प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की रिपोर्ट का है। वहीं दूसरी ओर 900 कारखाने वाले इंडस्ट्रियल एरिया शांत है। यहां ध्वनि प्रदूषण सामान्य स्तर से भी कम दर्ज हुआ। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड शहर में चार स्थानों पर ध्वनि प्रदूषण जांच रहा है। इनमें बैरागढ़ साइलेंट जोन है। सिविल अस्पताल के पास से डाटा जमा किए गए हैं। रियल टाइम डाटा के मुताबिक यहां साउंड स्तर 69 डेसिबल रहा। करीब 20 डेसिबल ज्यादा रहा। मानक स्तर 40 से 50 डेसिबल के बीच है। यह सिविल अस्पताल के पास से जमा किए गए है। मरीजों की सेहत को देखते हुए यहां ध्वनि का स्तर सबसे कम होना चाहिए लेकिन यह बीस प्रतिशत ज्यादा मिला। मरीजों की सेहत को ये खतरा हो सकता है। हमीदिया रोड कमर्शियल जोन है। यहां 70 डेसिबल स्तर मापा गया। रेसिडेसियल जोन में स्तर 41 डेसिबल रहा। पर्यावरण परिसर में इसे मापा गया। गोविंदपुरा इंडस्ट्रियल जोन में स्तर 62 डेसिबल रहा है।

हार्टअटैक से लेकर सिर चकराने तक का आशंका : अधिक शोर से हार्ट के मरीजों का सबसे ज्यादा खतरा है। बच्चों बुजुर्गो और गर्भवती महिलाओं को इसके नुकसान ज्यादा है। अधिक शोर से सिर चकराने , सुनने की क्षमता तक प्रभावित होती है। बीते साल ध्वनि

प्रदूषण से एक बच्चे की मौत का मामला सामने आ चुका है। तेज आवाज से बच्चा बेहोश हो गया था। इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल उसे भर्ती कराया गया था। परिवार ने डीजे के शोर से हादसे की बात कही थी। शहर में चार स्तर पर ध्वनि को मापा जा रहा है। इनमें साइलेंट जोन में अस्पताल में स्कूल शामिल हैं। शोर कम हो इसके लिए निर्देश जारी किए जाते हैं। अगर ज्यादा है तो कारण की जांच कराई जाएगी। इसके अलावा घर, बाजार और उद्योग की अलग श्रेणी है। मॉनीटरिंग के बाद निर्देश जारी होते हैं।

मेट्रो की मेन लाइन, स्टेशन देखने फिर आएंगे सीएमआरएस

भोपाल. मेट्रो ट्रेन यात्रियों को लेकर चलने को तैयार है। कमिश्नर मेट्रो रेल सेफ्टी की टीम पहले चरण का निरीक्षण कर चुकी है। इसी सप्ताह एक और निरीक्षण होगा, मेट्रो की मेन लाइन व स्टेशन का। सीएमआरएस की ओके रिपोर्ट मिलते ही कमर्शियल रन शुरू हो जाएगा। मेट्रो रेल कारपोरेशन ने इसकी तैयारियां कर ली है। स्टेशन पर यात्रियों की आवाजाही के लिए एस्केलेटर से लेकर सीढ़ियां व स्काईवॉक, फुट ओवरब्रिज भी लगभग तैयार है। 15 अक्टूबर तक मेट्रो को यात्रियों के साथ चलाने की तैयारी है। बचे काम पूरे करने की डेटलाइन पूरी हो चुकी है। बताया गया कि सीएमआरएस निरीक्षण को लेकर डेटलाइन अक्टूबर के पहले सप्ताह तक बढ़ाई जा सकती है, लेकिन इसी दौरान कमर्शियल रन की तैयारियां भी पूरी कर ली जाएगी। यानि यदि सीएमआरएस की ओके रिपोर्ट मिलने के दो दिन बाद ही कमर्शियल रन शुरू करना पड़े तो हम तैयार रहेंगे।

315 बोर की बंदूक से चली गोली, 80 लोगों के पास है शस्त्र लाइसेंस

गर्दन में गोली लगने से छात्रा की मौत का मामला, 80 लोगों को पूछताछ के लिए बुलाया, बुलट का हिसाब मांगा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

कोलार थाना क्षेत्र स्थित शशि हाइटेक सिटी राजहर्ष कोलार में गुरुवार दोपहर गोली लगने से हुई दस साल की रिया की मौत का जिम्मेदार अब तक पुलिस गिरफ्त से दूर है। पुलिस की जांच में यह बात सामने आई कि फायर 315 बोर की बंदूक से हुआ था। दरअसल, जो गोली रिया के शरीर से निकली है वह 315 बोर की है। पुलिस ने अपने इलाके में 315 बोर की बंदूक की जानकारी जुटाई तो पता चला कि 80 लोगों के पास 315 बोर की बंदूक का लायसेंस है।

पुलिस ने उन सभी लोगों को पूछताछ के लिए थाने बुलाया था। उनसे जारी बुलट के बारे में पूछताछ की जा रही है। सूत्रों की मानें तो पुलिस को एक व्यक्ति पर संदेह है और उससे पूछताछ की जा रही है। जल्द ही इस सनसनीखेज मामले को कोलार पुलिस खुलासा कर सकती है। उल्लेखनीय है कि शशि हाइटेक सिटी, राजहर्ष कोलार निवासी सुनील रजक पानी सप्लाई करने का काम करते हैं। उनके परिवार में पत्नी के अलावा तीन बच्चे हैं। उसकी 10 साल की बेटी रिया रजक चौथी कक्षा की स्कूली छात्रा थी। गुरुवार दोपहर करीब साढ़े 12 बजे रिया दूसरे बच्चों के साथ राजहर्ष कॉलोनी स्थित झांकी के पास खेल रही थी। इस दौरान अचानक बेहोश होकर गिर गई। लोगों ने देखा कि रिया के बाएं कंधे और गर्दन के बीच गहरा घांव था। खून बह रहा था। उसे निजी अस्पताल ले जाया गया, वहां करीब दो घंटे चले इलाज के बाद रिया की मौत हो गई। रिया को दुर्गा पंडाल में एक दिन पहले ही करंट लगा था। इससे परिजन चिंतित थे और उसे दुर्गा पंडाल में जाने के लिए मना किया था, लेकिन रिया बच्चों के साथ खेलने के लिए वहां पहुंच गई थी। परिजन और आसपास के लोग भंडारे की तैयारी कर रहे थे। रिया खेलने के बाद कुर्सी पर बैठ गई थी, तभी एकाएक बेसुध होकर गिर गई। गर्दन के पास से खून निकलने के बाद उसे निजी अस्पताल ले जाया गया, वहां करीब दो घंटे चले इलाज के बाद रिया की मौत हो गई।

एम्स में 'कोबास प्रो' मशीन स्थापित

1घंटे में होगी दो हजार से अधिक जांचें

प्रदेश के सरकारी अस्पताल में पहली बार आए 3 करोड़ के डायग्नोस्टिक उपकरण

भोपाल, दोपहर मेट्रो

एम्स में ब्लड शुगर, लिवर फंक्शन टेस्ट (एलएफटी), किडनी फंक्शन टेस्ट (आरएफटी) सहित कई जांच में हो रही देरी से मरीजों को निजात मिलेगी। एम्स ने जैव रसायन विभाग में एक अत्याधुनिक 'कोबास प्रो एडवांस्ड इंटीग्रेटेड क्लिनिकल बायोकेमिस्ट्री' उपकरण स्थापित किया है। यह मशीन मप्र के किसी भी सरकारी अस्पताल में स्थापित होने वाली पहली मशीन है। इस मशीन की

लागत करीब 3 करोड़ से अधिक है। जैव रसायन विभाग के प्रोफेसर डॉ. अशोक कुमार ने बताया कि कोबास प्रो ई- 800 एक पूरी तरह से एकीकृत जैव रसायन विश्लेषक है। इसे अभिकर्मक किराया मॉडल के तहत एक खुली निविदा प्रक्रिया द्वारा खरीदा गया है। उद्घाटन समारोह में सांसद आलोक शर्मा, विवेक तन्खा, और भरत सिंह कुशवाह, कार्यपालक निदेशक प्रो. माधवानन्द कर और अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहें।

मेट्रो एंकर झांसी स्टेशन के प्लेटफार्म पर गिट्टी रहित नई पटरी बिछाने का होगा बड़ा काम

14 ट्रेनें रहेगी रद्द, 25 के मार्ग भी बदले गए

भोपाल, दोपहर मेट्रो

भोपाल और रानी कमलापति से नवंबर से जनवरी के बीच सैकड़ों रिजर्वेशन को निरस्त किया गया है। रेलवे ट्रैक मेंटनेंस के चलते रेलवे ने ये फैसला लिया है। भोपाल रेल मंडल के अनुसार उत्तर मध्य रेलवे झांसी मंडल में वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर-3 पर गिट्टी रहित नई पटरी बिछाने का बड़ा काम होगा। इस कारण भोपाल मंडल से गुजरने वाली 14 ट्रेनें रद्द, 25 ट्रेनें मार्ग परिवर्तन (डायवर्ट) और 2 ट्रेनें विलंबित रहेंगी। पश्चिम मध्य रेलवे ने यात्रियों को सफर से पहले ट्रेन की स्थिति जांचने की सलाह दी है।

यह ट्रेनें रद्द

- 64618 ललितपुर-बीना मेमू (दैनिक) 25 नवंबर से 08 जनवरी तक
- 64617 बीना-ललितपुर मेमू (दैनिक) 25 नवंबर से 08 जनवरी तक
- 05073 बेंगलुरु सिटी-लालकुआं (साप्ताहिक, मंगलवार) - 02 दिसंबर से 06 जनवरी तक
- 05074 लालकुआं-बेंगलुरु सिटी (साप्ताहिक, शनिवार) - 29 नवंबर से 03 जनवरी तक
- 07363 हुबली-योगनगरी ऋषिकेश (साप्ताहिक, सोमवार) - 24 नवंबर से 05 जनवरी तक

- 07364 योगनगरी ऋषिकेश-हुबली (साप्ताहिक, गुरुवार) - 27 नवंबर से 08 जनवरी तक
- 05559 रक्सौल-उधना (साप्ताहिक, शनिवार) - 29 नवंबर से 03 जनवरी तक
- 09043 बांद्रा टर्मिनस-बरहनी (साप्ताहिक, रविवार) - 30. नवंबर से 04 जनवरी तक
- 09044 बरहनी-बांद्रा टर्मिनस (साप्ताहिक, सोमवार) 01 दिसंबर से 05 जनवरी तक
- 07075 हैदराबाद-गोरखपुर (साप्ताहिक, शुक्रवार) - 28 नवंबर से 02 जनवरी तक
- 07076 गोरखपुर-हैदराबाद (साप्ताहिक, रविवार) - 30 नवंबर से 04 जनवरी तक

इनके बदले मार्ग

- 12172 हरिद्वार-लोकमान्य तिलक, 22456 कालका-सांईनगर शिरडी , 12214 दिल्ली सराय रोहिल्ला-यशवंतपुर
- 12754 हजरत निजामुद्दीन-नांदेड़, 16318 श्री माता वैष्णो देवी कटरा-कन्याकुमारी , 20494 चंडीगढ़-मदुरै, 16032 श्री माता वैष्णो देवी कटरा-चेन्नई सेंट्रल, 16788 श्री माता वैष्णो देवी कटरा-तिरुनेलवेली।

हाईकोर्ट का आदेश- लोन की राशि के लिए पेंशन में कटौती नहीं कर सकता बैंक

इंदौर। बैंक पेंशन और पारिवारिक पेंशन के वितरण के लिए एक संवितरण एजेंसी मात्र है। बैंक द्वारा पेंशन या पारिवारिक पेंशन से किसी तरह की कटौती स्वीकार्य नहीं है। यह टिप्पणी हाई कोर्ट की इंदौर खंडपीठ ने स्टेट बैंक द्वारा पेंशन रोके जाने से जुड़ी एक अपील का निराकरण करते हुए की है। कोर्ट ने बकाया ऋण के लिए बैंक द्वारा पेंशन की राशि में से की गई कटौती को गलत माना। इंदौर निवासी एक व्यक्ति ने स्टेट बैंक ऑफ इंडिया से ऋण लिया था। ऋण की कुछ राशि अब भी बकाया है। इस बीच ऋणी व्यक्ति की मृत्यु हो गई। इसके बाद बैंक ने उन्हें मिलने वाली पेंशन की राशि रोक ली। मृतक की पत्नी ने इसके खिलाफ हाई कोर्ट में याचिका दायर की। एकलपीठ ने पेंशन की राशि में से कुछ हिस्सा काटकर शेष राशि जारी करने का आदेश बैंक को दिया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने असम के काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में की जंगल सफारी।

प्रदेश के गांव-गांव में चल रहा है दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान

भोपाल । प्रदेश में दुग्ध उत्पादन को दोगुना से अधिक करने और उसके माध्यम से पशुपालक किसानों की आय बढ़ाने के संकल्प को पूरा करने के लिये प्रदेश में दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत पशुपालन विभाग का अमला गांवों में घर-घर जाकर पशुपालकों से व्यक्तिश: संपर्क कर रहा है और उन्हें पशुओं में नस्ल सुधार, पशु स्वास्थ्य एवं पोषण के संबंध में आवश्यक जानकारी एवं मार्गदर्शन दे रहा है। साथ ही पशुपालकों की समस्याओं का निराकरण भी किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत पशुपालन मंत्री लखन पटेल ने शनिवार को दमोह जिले के पथरिया विकासखंड के ग्राम खिरिया छक्का पहुंचकर पशुपालक किसानों से संपर्क किया और उन्हें दुग्ध उत्पादन बढ़ाने और नस्ल सुधार आदि की जानकारी दी।

विभागों ने नहीं दिया बजट प्लानिंग का ब्यौरा

वित्त विभाग ने 41 विभागों की बुलाई मीटिंग, रोलिंग बजट मीटिंग का पहला दौर खत्म

भोपाल, दोहपर मेट्रो

मोहन सरकार द्वारा तैयार कराए जा रहे रोलिंग बजट की प्लानिंग को लेकर कई विभाग गंभीर नहीं हैं। वित्त विभाग द्वारा जारी निर्देश में कहा गया है कि वर्ष 2026- 2027 के प्रस्तावित बजट और 2027-28 व 2028-29 के रोलिंग बजट तैयार करने के लिए पहले दौर की विभाग की बैठक हो चुकी हैं। इस दौरान कई विभागों ने वित्त विभाग द्वारा मांगी गई जानकारी नहीं दी है और कुछ विभागों ने आधी अधूरी जानकारी उपलब्ध कराई है। इसके चलते बजट प्लानिंग की पहले दौर की मीटिंग होने के बाद वित्त विभाग को अब सेकेंड फेज के लिए मीटिंग शेड्यूल तय करना पड़ा है।

स्वीकृत पदों का ब्योरा भी देना होगा

विभागाध्यक्षों से यह भी कहा गया है कि आगामी बैठकों में उनके विभागों द्वारा स्वीकृत पदों की पूर्ति से संबंधित ब्योरा दिया जाना आवश्यक है जिसका पालन विभागों ने नहीं किया है। इसलिए अब वित्त विभाग ने इसके लिए दूसरे चरण की विभागवार बैठकें करने का फैसला किया है। इन बैठकों में अपर सचिव और उपसचिव वित्त के साथ होने वाली बैठक में पूरी जानकारी के साथ विभागों के अधिकारी पहुंचकर बजट तैयारियों पर चर्चा करेंगे।

वित्त विभाग ने जारी किए 41 विभाग की सूची- विभागों के आधी अधूरी जानकारी के कारण वित्त विभाग ने 57 विभागों में से 41 विभाग की सूची जारी की है। जिसमें विभागाध्यक्षों से कहा है कि आगामी वित्त वर्ष के बजट और आने वाले दो वर्षों के लिए तैयार किए जा रहे रोलिंग बजट की पूरी जानकारी दे साथ ही आगामी कार्य योजना भी देना होगा। विभाग ने इस पर आपत्ति भी जताई कि स्पष्ट निर्देश के बाद भी विभागों ने पूरा ब्योरा नहीं सौंपा हैं।

ऐसे चलेगा बैठकों का दौर

8 अक्टूबर-योजना आर्थिक और सांख्यिकी विभाग, आनंद विभाग, उच्च शिक्षा विभाग, मछुआ कल्याण और मत्स्य विभाग, पिछड़ा वर्ग विभाग ऊर्जा विभाग

9 अक्टूबर-नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा विभाग, आयुष विभाग, कुटीर और द्रामोद्योग विभाग, स्कूल शिक्षा विभाग, प्रवासी भारतीय विभाग, विमानन विभाग, वाणिज्यिककर कर आबकारी विभाग

10 अक्टूबर -खनिज साधन विभाग, पर्यावरण विभाग, अनुसूचित जाति कल्याण विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग

13 अक्टूबर- जल संसाधन विभाग, सहकारिता विभाग, तकनीकी शिक्षा कौशल विकास और रोजगार विभाग, पर्यटन विभाग, परिवहन विभाग

14 अक्टूबर-वाणिज्यिक कर, एमएसएमई, उद्यानिकी और खाद्य प्रसंस्करण, लोक स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा विभाग, नर्मदा घाटी विकास ?विभाग

15 अक्टूबर- लोक निर्माण विभाग, पशुपालन और डेयरी विभाग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, संस्कृति विभाग, वाणिज्यिक कर आईजी पंजीयन और मुद्रांक तथा वाणिज्यिक कर अपीलीय बोर्ड विभाग

प्राइवेट अस्पतालों ने लिखा पत्र- यह वॉलंटरी एक्रिडिटेशन है, मजबूरी बनाना गलत

सरकार ने कसा शिकंजा: एनएबीएच नहीं तो आयुष्मान से इलाज भी नहीं

भोपाल, दोहपर मेट्रो

मध्यप्रदेश में आयुष्मान भारत निरामय योजना से जुड़े अस्पतालों को लेकर एक बड़ा संकट खड़ा हो गया है। सरकार ने आदेश जारी किया है कि अप्रैल 2026 से केवल वही अस्पताल आयुष्मान योजना में बने रहेंगे। जिनके पास राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रणाली प्राधिकरण का फाइनल सर्टिफिकेट होगा। जिन अस्पतालों के पास यह मान्यता नहीं है, वे योजना से बाहर कर दिए जाएंगे। इस सख्ती के बाद भोपाल समेत पूरे प्रदेश के सैकड़ों अस्पतालों के सामने अस्तित्व का संकट खड़ा हो गया है।

फिलहाल पूरे प्रदेश में 984 सरकारी और 640 प्राइवेट यानी कुल 1,624 अस्पताल आयुष्मान योजना से इम्पैनल हैं। इनमें से सिर्फ 295 अस्पतालों को ही एनएबीएच का फाइनल सर्टिफिकेट मिला है। भोपाल में 29 सरकारी और 194 प्राइवेट अस्पताल इस योजना से जुड़े हैं। लेकिन इनमें से बहुत कम अस्पताल एनएबीएच से मान्यता प्राप्त हैं। इसका सीधा मतलब है कि अप्रैल 2026 के बाद बड़ी संख्या में अस्पताल आयुष्मान से बाहर हो सकते हैं।

निजी अस्पतालों की आपत्ति, लिखा- ये सख्ती अनुचित है

मध्यप्रदेश नर्सिंग होम एसोसिएशन और आईएमए स्टेट जबलपुर ने इस आदेश का विरोध किया है। दोनों संगठनों ने 23 सितंबर 2025 को जारी सर्कुलर के खिलाफ आयुष्मान भारत के राज्य कार्यालय को पत्र लिखा है। जिसमें कहा गया है कि जब अस्पतालों को योजना में जोड़ा गया था, तब एंट्री लेवल एनएबीएच या अन्य क्वालिटी सर्टिफिकेट ही पर्याप्त माने गए थे। अब अचानक 6 महीने के भीतर फाइनल ठअइल लागू करना एग्रीमेंट की शर्तों का उल्लंघन है। क्लिनिकल एस्टेब्लिशमेंट एक्ट में भी फाइनल एनएबीएच की कोई अनिवार्यता नहीं है। यह एक वॉलंटरी एक्रिडिटेशन है, जिसे मजबूरी बनाना गलत है। जबकि, अभी देश के ज्यादातर राज्यों में फाइनल ठअइल जरूरी नहीं है। न ही राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण ने इसे अनिवार्य किया है। ऐसे में मध्यप्रदेश की यह शर्त अलग-थलग और

एनएबीएच क्या है और क्यों जरूरी?

एनएबीएच का सर्टिफिकेट अस्पतालों की गुणवत्ता, सुरक्षा और सेवाओं की पुष्टि करता है। इसमें 600 से ज्यादा पैरामीटर की जांच की जाती है। मरीजों की सुरक्षा, सफाई, दवा की उपलब्धता, नर्सिंग स्टाफ की मौजूदगी, इमरजेंसी सुविधाएं, सर्जरी और इलाज की स्टैंडर्ड प्रक्रियाएं इसमें शामिल होती हैं। यह स्वास्थ्य सेवाओं के लिए देश का सबसे उच्च स्तर का सर्टिफिकेट माना जाता है। सरकार का मानना है कि एनएबीएच सर्टिफिकेट मरीजों को सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण इलाज दिलाने का भरोसा देता है।

सवाल उठे कि सरकारी अस्पतालों पर क्यों नहीं नियम?

निजी अस्पतालों ने सबसे बड़ा सवाल यह उठाया है कि जब प्रदेश के ज्यादातर सरकारी मेडिकल कॉलेज और जिला अस्पताल खुद एनएबीएच से मान्यता प्राप्त नहीं हैं, तो सिर्फ निजी अस्पतालों पर यह शर्त क्यों थोपी जा रही है।उनका कहना है कि यह भेदभावपूर्ण और अनुचित है, क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आयुष्मान योजना का उद्देश्य सरकारी और निजी दोनों अस्पतालों की साझेदारी से गरीबों तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाना है।

छोटे अस्पतालों पर खतरा

कई छोटे निजी अस्पताल भी आयुष्मान योजना से जुड़े हैं। जो योजना के तहत मरीजों का मुफ्त इलाज करते हैं। लेकिन एनएबीएच की प्रक्रिया इतनी महंगी और जटिल है कि छोटे अस्पताल इसे पूरा ही नहीं कर पाएंगे। नतीजा यह होगा कि ये अस्पताल आयुष्मान से बाहर हो जाएंगे।

मरीजों पर भी पड़ेगा असर

गरीब और आयुष्मान कार्डधारक मरीजों को इलाज के विकल्प बेहद कम हो जाएंगे। सरकारी अस्पतालों पर अचानक भार बढ़ेगा। दूर-दराज से आने वाले मरीजों को राजधानी और बड़े शहरों में भर्ती होना मुश्किल होगा।

प्रदेश की बेटी ने राष्ट्रीय स्तर पर कौशल विकास का परचम लहराया

भोपाल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नई दिल्ली में कौशल एवं उद्यमशीलता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 4अक्टूबर को आयोजित कौशल दीक्षांत समारोह में मध्यप्रदेश की शासकीय आईटीआई, बैतूल की इलेक्ट्रीशियन ट्रेड की प्रशिक्षार्थी कुमारी त्रिशा तावड़े को आल इंडिया सेंट्रल ज़ोन टू ईयर ट्रेड में टॉप करने पर सम्मानित किया है।

17 हजार पेड़ों को बचाने की तैयारी

महू-खंडवा रेल लाइन के लिए 20 किमी लंबी 16 सुरंगें बनेंगी

भोपाल। महू-खंडवा रेलवे प्रोजेक्ट शुरू करने को लेकर कवायद तेज हो गई है। भोपाल में रीजनल इंपावरमेंट कमेटी (आरईसी) की बैठक में प्रोजेक्ट से जुड़े पर्यावरण मुद्दों पर चर्चा की गई। इसमें जंगल में बिछाई जाने वाली पटरी और निर्माण कार्यों पर सहमति बन चुकी है। गेज परिवर्तन के तहत इंदौर-बड़वाह वनमंडल की 454 हेक्टेयर वनभूमि आएगी, जिसमें एक लाख 52 हजार पेड़ चिह्नित किए गए हैं। हालांकि 17 हजार पेड़ों को बचाया जा सकेगा, क्योंकि इस पूरे रेल मार्ग पर 20 किमी लंबी 16 सुरंगें बनाई जाएंगी। इस कारण इन पेड़ों को काटा नहीं जाएगा।

महीने भर में प्रोजेक्ट को मिल सकती है मंजूरी

साथ ही रेलवे ने यह भी सुनिश्चित किया कि मार्ग में जगह-जगह अंडरपास बनाए जाएंगे, जिससे पेड़ों को बचा सकेंगे। हालांकि महीनेभर में प्रोजेक्ट को मंजूरी मिल सकती है। इसके बाद रेलवे को राशि जमा करनी होगी। रेलवे अधिकारियों के मुताबिक अगले कुछ महीनों में प्रोजेक्ट पर काम शुरू किया जाएगा। महू-खंडवा प्रोजेक्ट में इंदौर वनमंडल की 410 हेक्टेयर और बड़वाह वनमंडल की 44 हेक्टेयर वनभूमि इस्तेमाल की जाएगी।

मप्र-गुजरात के अधिकारियों के बीच हुई हाईलेवल मीटिंग, मंथन हुआ सरदार सरोवर प्रोजेक्ट पर

भोपाल। मध्यप्रदेश और गुजरात राज्यों के वरिष्ठ अधिकारियों के बीच शनिवार को उच्चस्तरीय बैठक सम्पन्न हुई, जिसमें सरदार सरोवर प्रोजेक्ट संबंधी महत्वपूर्ण विषयों पर सार्थक चर्चा की गई। बैठक का उद्देश्य सरदार सरोवर प्रोजेक्ट से संबंधित मुद्दों का आपसी समन्वय से निराकरण करना था। बैठक की अध्यक्षता मध्यप्रदेश के मुख्य सचिव अनुराग जैन तथा गुजरात के मुख्य सचिव पंकज जोशी ने संयुक्त रूप से की। बैठक में नर्मदा घाटी विकास विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा, सचिव जॉन किंग्सली, सी.एम.डी., एस.एस.एन.एन.एल मुकेश पुरी तथा दोनों राज्यों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में दोनों राज्यों के बीच सरदार सरोवर प्रोजेक्ट में गुजरात के गरुड़ेश्वर वियर के माध्यम से पंप स्टोरेज प्रोजेक्ट को लेकर सहमति बनी। मध्यप्रदेश सरकार इसमें सशर्त सम्मिलित होगी, इससे मध्यप्रदेश सरकार को उत्पन्न बिजली में 57त्न की भागीदारी मिलेगी। साथ ही सरदार सरोवर के डूब क्षेत्र में आने वाली शासकीय राजस्व, आबादी एवं वन भूमि की प्रतिपूर्ति राशि को लेकर सिद्धांत तय किये गए।

मेट्रो एंकर इंदौर के शोधकर्ताओं ने विकसित किया अत्याधुनिक डिजिटल एप्लिकेशन

गीली जमीन की सेहत की होगी निगरानी, करेगा खतरों की भी पहचान

इंदौर/भोपाल, दोहपर मेट्रो

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) इंदौर के शोधकर्ताओं ने एक अत्याधुनिक डिजिटल एप्लिकेशन विकसित किया है, जो लगभग वास्तविक समय में आर्द्रभूमियों के स्वास्थ्य की निगरानी कर सकता है। यह एप्लिकेशन प्रदूषण, पोषक तत्वों की अधिकता और अन्य पर्यावरणीय खतरों की पहचान समय रहते कर लेता है, जिससे इन महत्वपूर्ण पारिस्थितिक तंत्रों की रक्षा आसान हो जाती है। इस परियोजना का नेतृत्व सिविल इंजीनियरिंग विभाग के प्रो. मनीष कुमार गोयल और उनके शोधार्थी विजय जैन ने किया है। यह उपग्रह चित्रों और क्लाउड कंप्यूटिंग तकनीक का उपयोग करके जल गुणवत्ता का सटीक विश्लेषण करता है और गंभीर समस्याओं का पूर्वानुमान लगाता है।

आर्द्रभूमियों का महत्व और मौजूदा चुनौतियां- आर्द्रभूमियां पृथ्वी की जीवन रेखा कही जाती हैं, ये जल को स्वच्छ करती हैं, बाढ़ को

नियंत्रित करती हैं, कार्बन का भंडारण करती हैं और अनेक प्रजातियों को आवास प्रदान करती हैं। यद्यपि ये पृथ्वी की सतह का मात्र 9त्न हिस्सा कवर करती हैं, लेकिन वैश्विक पारिस्थितिक सेवाओं में 23त्न से अधिक योगदान देती हैं। भारत में लगभग 15.98 मिलियन हेक्टेयर आर्द्रभूमियां हैं, जो देश के कुल क्षेत्रफल का लगभग 5त्न है। भारत 1982 सेरामसर कन्वेंशन का सदस्य है और वर्तमान में 93 रामसर-निर्धारित आर्द्रभूमियां हैं। हालांकि, बढ़ते शहरीकरण, प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और आक्रामक प्रजातियों के कारण ये आर्द्रभूमियां खतरे में हैं।

नया उपकरण कैसे करेगा मदद- पारंपरिक रूप से आर्द्रभूमियों की निगरानी मैन्युअल जल नमूनाकरण और प्रयोगशाला परीक्षणों पर निर्भर रही है, जिससे समय पर कार्रवाई में देरी होती थी। आईआईटी इंदौर का यह नया एप्लिकेशन Sentinel-2 उपग्रह डेटा का उपयोग करता है, जिसमें 10 मीटर स्थानिक और 5 दिन की टेम्पोरल रिजाल्यूशन है। यह चार प्रमुख सूचकांकों क्लोरोफिल मात्रा, गंदलापन,मीठे पानी की उपलब्धता और जलीय वनस्पति में नमी का विश्लेषण कर आर्द्रभूमि की समग्र स्थिति का आकलन करता है। यह प्रणाली रीयल-टाइम अपडेट देती है, किफायती है, उपयोग में सरल है और पूर्व चेतावनी प्रणाली के रूप में कार्य करती है। इसे पूरे भारत की आर्द्रभूमियों में लागू किया जा सकता है।

आईआईटी इंदौर का दृष्टिकोण और भविष्य की दिशा

आईआईटी इंदौर के निदेशक प्रो. सुहास जोशी ने कहा कि यह नवाचार सामाजिक और पर्यावरणीय प्रभावों के लिए प्रौद्योगिकी विकसित करने की संस्थान की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। प्रो. मनीष कुमार गोयल के अनुसार, ५यह उपकरण वास्तविक समय का डेटा प्रदान करता है, जो आर्द्रभूमियों के लिए प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली के रूप में उपयोगी है। इससे समय पर कार्रवाई और संरक्षण संभव होता है।५ उन्होंने आगे बताया कि भविष्य में इस एप्लिकेशन में और अधिक जल गुणवत्ता मापदंड शामिल किए जाएंगे, ताकि प्रदूषण की घटनाओं पर तुरंत अलर्ट मिल सके। महत्वपूर्ण रूप से, यह एप्लिकेशन सभी उपयोगकर्ताओं के लिए नि:शुल्क है, जिससे सरकारें, संरक्षण समूह और आम नागरिक सभी इसका लाभ उठा सकते हैं।

संडे लाइफ

भोपाल, रविवार, 05 अक्टूबर 2025

फिटनेस

शादियों के सीजन में घर पर ही रह सकते हैं फिट चुनिंदा एक्सरसाइज तेजी से घटाएंगी वजन

शादी का सीजन शुरू होने वाला है। ऐसे में ज्यादातर लोग शॉपिंग और बाकी तैयारियों में जुटे हैं। हालांकि, इन सब से अलग अगर आप वेट लॉस करने का प्लान बना रहे हैं लेकिन इसके लिए आपके पास जिम जाने का समय नहीं है, तो ये आर्टिकल आपके लिए मददगार हो सकता है। आप चाहें तो घर पर ही कुछ आसान एक्सरसाइज की मदद से तेजी से वजन घटा सकते हैं। यहां हम आपको 8 ऐसी ही आसान और असरदार एक्सरसाइज बता रहे हैं, जो कम समय में मोटापे से छुटकारा दिलाने और टोन बॉडी पाने में आपकी मदद कर सकती हैं।

सेहतमंद रखेंगी घर पर की गई एक्सरसाइज

जंपिंग जैक्स (Jumping Jack)

यह क्लासिक कार्डियो एक्सरसाइज शरीर को वॉर्मअप करने के लिए बेस्ट है. इसे करने से हार्ट रेट बढ़ाता है, ब्लड सर्कुलेशन सुधरता है और पूरी बॉडी एक्टिव हो जाती है। ऐसे में आप अपने वर्कआउट की शुरुआत जंपिंग जैक्स के साथ कर सकते हैं।

बर्पीज (Burpee)

बर्पीज एक पावरफुल एक्सरसाइज है, जो एक साथ कई मांसपेशियों पर काम करती है. इसमें स्क्वाट, पुश-अप और जम्प का कॉम्बिनेशन होता है। 10-15 मिनट तक बर्पीज करने से कैलोरी तेजी से बर्न होती है और स्टैमिना भी बढ़ता है। की चर्बी को तेजी से कम करने में मदद करती है। साथ ही, यह कार्डियोवस्कुलर एंड्योरेंस को भी मजबूत बनाती है।

जंप स्क्वैट्स (Jumping Squats)

जंप स्क्वैट्स करने से तेजी से कैलोरी बर्न होती हैं, जिससे आपको वेट लॉस करने में मदद मिलती है।

प्लैंक (Plank)

प्लैंक करने से पेट और खासकर कमर के आसपास की चर्बी तेजी से कम होती है।

जंप रोप (Jump Rope)

रस्सी कूदना मोटापा घटाने का सबसे आसान तरीका हो सकता है. यह हार्ट रेट को बढ़ाता है, कैलोरी तेजी से बर्न करता है और बॉडी को टोन करता है।

सूर्य नमस्कार (Surya Namaskar)

सूर्य नमस्कार योगासन की एक सीरीज है जिसमें 12 स्टेप्स होते हैं. इसे रोज करने से पूरा शरीर स्ट्रेच होता है और तेजी से कैलोरी बर्न होती है।

माउंटेन क्लाइंबर (Mountain Climber)

इन सब से अलग माउंटेन क्लाइंबर एक्सरसाइज भी तेजी से मोटापे घटाने में मदद कर सकती है। खासकर इससे पेट और कमर के आसपास जमा फैट बर्न करने में मदद मिलती है।

ऐसे में अगर आप कम समय में वेट लॉस करना चाहते हैं, तो घर पर ही नियमित तौर पर ये 8 एक्सरसाइज कर सकते हैं। रोजाना केवल 30-40 मिनट इन्हें करने से आपको महीनेभर में ही फर्क महसूस हो सकता है। साथ ही इससे आप खुद को ज्यादा एनर्जेटिक महसूस करेंगे और आपका मूड भी लिफ्ट होगा । आप इन्हें अपने रूटीन में शामिल कर सकते हैं।

हाई नीज (High Knees)

एक जगह पर खड़े होकर घुटनों को लगातार तेजी से ऊपर उठाने को हाई नीज कहते हैं। यह एक्सरसाइज खासकर पेट और पैरों

जीवन ज्योति

सिस्टर शिवानी

अच्छे लोगों के साथ गलत क्यों? हमारा सिद्धांत ही दिखाता है रास्ता

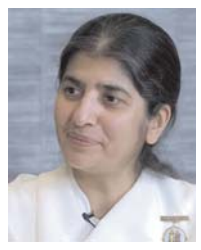

अच्छे लोगों के साथ गलत क्यों होता है, इस बारे में कई मतभेद हैं, लेकिन हमारा सिद्धांत ही हमें सही रास्ता दिखाता है। हमारी हर सोच, शब्द और कर्म एक ऊर्जा बनाते हैं, जो हमारे पास लौटकर आती है। इसे ही कर्म का लेखा-जोखा कहते हैं। इसके पीछे कुछ कारण हो सकते हैं। कभी-कभी हम वर्तमान में अच्छे कर्म कर रहे होते हैं, लेकिन हमारे पिछले कर्मों का हिसाब अभी बाकी होता है। जब वह हिसाब सामने आता है, तो हमें लगता है कि हमारे साथ गलत हो रहा है। हम अक्सर केवल वर्तमान को देखते हैं। हमें नहीं पता होता कि सामने वाला व्यक्ति अपने जीवन में क्या-क्या झेल चुका है। हम बस यह मान लेते हैं कि वह बुरा है, क्योंकि उसने हमारे साथ गलत किया है। कई बार नकारात्मक परिस्थितियां हमें और भी मजबूत और शक्तिशाली बनाने के लिए आती हैं। जब हम उन चुनौतियों का सामना हिम्मत और आत्मविश्वास के साथ करते हैं, तो हम पहले से बेहतर इंसान बनते हैं।

जब हमारे साथ कोई बहुत बुरा होने वाला होता है, तो हमारे अच्छे कर्मों के कारण वह बड़ी समस्या एक छोटी सी परेशानी में बदल जाती है। यह भगवान की कृपा होती है, जिसे हम अक्सर गलत समझते हैं। ऐसी परिस्थिति में हमें यह मानना होगा कि जो भी हो रहा है, वह सही है बहुत जरूरी है। यह स्वीकार करने से हमें आगे बढ़ने की शक्ति मिलती है। जब कोई आपके साथ गलत करे, तो उसकी नकारात्मकता को अवशोषित न करें। इसके बजाय, अपनी सोच और ऊर्जा को सकारात्मक बनाए रखें। ऐसा करने से आपका कर्म का खाता भी साफ होता है। बदला लेने के बजाय खुद को बदलें। अपनी आंतरिक शक्ति पर काम करें और खुश रहें। दूसरों की सफलता देखकर ईर्ष्या न करें, क्योंकि सबका अपना-अपना सफर है। जो आपका है, वह आपको सही समय पर मिलकर रहेगा। कई बार असहज भावनाएं हमारे मन को दूषित करती हैं। इससे नकारात्मकता बढ़ती है। यही आज के समय में व्यक्ति के क्रोध और चिंता का कारण है। इसके विपरीत ध्यान और दुआ देने की भावना विकसित करनी होगी। इससे अच्छे संस्कार का निर्माण होगा। सभी अपने मन की आंतरिक ऊर्जा जागृत करने और ध्यान कर्म से मन को केंद्रित करें। हम जो सोचते, बोलते और करते हैं, वहीं हमारा संस्कार है। सफलता किसी की भी हो, प्रसन्नता व्यक्त करनी चाहिए। देखा जाता है कि जब किसी के आस-पास, पड़ोस या रिश्तेदार सफल हो जाते हैं, तो कुछ लोगों के मन में यह भाव आता है कि वह आखिर सफल कैसे हो गया। हम उसकी सफलता पर खुश होने की जगह ईर्ष्या करने लगते हैं। इस मानसिकता का परित्याग प्रगति के लिए जरूरी है। क्योंकि सफलता उसी को मिलती है, जो दूसरे की सफलता पर खुश होता है और दुआ देता है। किसी की सफलता से नाखुश हैं, तो आपके पास सफलता आते-आते रह जायेगी, क्योंकि सफलता को यह लगेगा कि इस व्यक्ति को सफलता पसंद ही नहीं है। हमें इस मर्म को समझना होगा कि जो देता है वह हमेशा समाज में पूजनीय और प्रतिष्ठित होता है। इसलिए दुआ देने की आदत विकसित करें। दूसरे की सफलता पर भी जश्न मनायें। इससे सुख, ज्ञान, बल और सकारात्मक ऊर्जा का विकास होगा।

सितारों की बात

सप्ताह का राशिफल दिनांक 5 से 11 अक्टूबर तक

पंडित विष्णु राजौरिया

मेष

इस राशि के लिए आगामी सप्ताह में सावधानी की विशेष आवश्यकता रहेगी। यात्रा, एवं अपने कार्य क्षेत्र में अपने व्यबहार पर पूर्ण नियंत्रण रखें। कीमती मूल्यवान बस्तुओं के रख रखाव में विशेष सावधानी की आवश्यकता रहेगी।

वृषभ

यह सप्ताह आपको अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगा।आय बढ़ाने के प्रयास सफल होनें के संकेत है।समय का समुचित प्रबंधन कर उत्तम सफलता प्राप्त कर सकते है।

मिथुन

आगामी सप्ताह में आर्थिक कार्यों से संबंधित कार्यों में कठिनाई का सामना करना पढ़ सकता है। विशेष परिस्थितियों में ही सुरक्षित धन का उपयोग करें एवं अनजान व्यक्ति से लेंन देन न करें।साहित्य, लेखक, पत्रकार, इस सप्ताह सम्मानित होंगे, पद प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

कर्क

आगामी सप्ताह कर्क राशि को लाभप्रद सिद्ध होगा व्यापार व्यवसाय में रुकावटें दूर होंगी।आर्थिक कार्यों सफलता, कृषि से लाभ, कृषि से संबंधित कार्यों में विशेष सफलता के संकेत है।

सिंह

आगामी सप्ताह आपको साबधानी से कार्य करने की सलाह है, निवेश, व्यापार, आर्थिक लेन देन, में कठिनाई आ सकती है।जमीन भूमि, भवन से संबंधित कार्यों में सोच समझकर अथवा विशेषग्यो से जानकारी लेकर ही आगे बढ़ने का प्रयत्न करें।

कन्या

आपका समय अनुकूल है, संतान के संबंधित कार्यों के कारण व्यस्तता रहेगी।समय पर कार्य होने से आत्म संतोष का भाव रहेगा।आर्थिक स्थिति स्थिति में निरंतर सुधार होगा।व्यावसायिक जगत के जातकों को उत्तम सफलता मिलेगी।

तुला

तुला राशि के जातक इस सप्ताह राजनैतिक, सामाजिक,क्षेत्र में उत्तम सफलता अर्जित करेंगे, स्थान परिवर्तन, कार्य क्षेत्र में परिवर्तन, प्रभाव क्षेत्र में वृद्धि होगी।घर परिवार एवं निकट जनों से उत्तम सहयोग मिलेगा।

वृश्चिक

आगामी सप्ताह आपको अधिक परिश्रम करनें की आवश्यकता रहेगी। भाग दौड़ की अधिकता रह सकती है।आर्थिकस्थिति में सुधार करने के लिए अधिक परिश्रम की आवश्यकता रहेगी।

धनु

आगामी सप्ताह में आपकी स्थिति में सुधार के संकेत है, विगत दिनों से कार्यों में आ रही रुकावटे दूर होंगी।कई दिनों से रुके कार्य सम्पन्न होंगे।कोर्ट कचहरी के कार्यों में सफलता मिलेगी। प्रमोसन, पद प्रतिष्ठा बढ़ेगी। आर्थिक समय अनुकूल रहेगा।

मकर

आपकी स्थिति में निरंतर सुधार के संकेत है, अभीष्ट लक्ष्य को लेकर आप अडिग रहे, सफलता मिलने के संकेत है।परिवार के सदस्यों के स्वास्थ्य संबंधी कारणों को समय पर निराकृत करें।अन्यथा आप इस विषय को लेकर परेशान हो सकते हैं।

कुम्भ

अनावश्यक भागदौड़ से बचें, ध्यान और योग से आत्म नियंत्रण रखें।साथ ही वाद विवाद के कारणों को दूर कर वैमनस्य समाप्त करें।आप लाभान्वित होंगे।

मीन

आपका शरीर कुछ कठिनाई महसूस कर सकता है। अतः अपनी शारीरिक क्षमता के अनुरूप कार्य करें।भावावेश से बचें। इस सप्ताह में ज्वर, सर्दी, जुकाम, गले, स्वास सम्बन्धी तकलीफ हो सकती है। शीत बस्तुओं के सेवन से बचें।

टेक्नो लांच

भारत का पहला स्वदेशी AI कॉल असिस्टेंट आया, unknown कॉल से खुद करेगा बात

यदि आप भी अनजान नंबर से आने वाली कॉल्स और स्पैम कॉल्स से परेशान हैं तो जल्द ही इनसे छुटकारा मिल सकता है। भारत में पहला AI कॉल असिस्टेंट लॉन्च हो गया है जो अनजान और स्पैम कॉल्स से खुद ही डील करेगा।

हैदराबाद की कंपनी Equal AI भारत में पहला आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) आधारित कॉलर असिस्टेंट लॉन्च किया है। लॉन्चिंग के बाद दिल्ली NCR के पहले 10,000 एंड्रॉयड यूजर्स के लिए शुरुआती एक्सेस प्रोग्राम होगा। कंपनी के फाउंडर और CEO केशव रेड्डी ने बताया कि मार्च 2026 तक रोजाना 10 लाख यूजर्स तक पहुंचने का लक्ष्य है। यह ऐप Unknown Calls को हैंडल करेगा और Spam Calls से बचाएगा।

अनजाने कॉल्स को जवाब देता है

Equal AI का कॉलर असिस्टेंट Unknown नंबर से आने वाली कॉल्स को खुद जवाब देता है। यह कॉलर की पहचान करता है और कॉल का मकसद समझता है। इसके बाद यह कॉल को या तो कनेक्ट करता है, मैसेज लेता है या उसे फिल्टर

कर देता है। AI कॉल असिस्टेंट हिंदी, अंग्रेजी और Hinglish में बात कर सकता है। यह ऐप कॉल की पूरी जानकारी यूजर को बता सकता है, जो इसे बाकी स्पैम डिटेक्टर ऐप्स से अलग बनाता है। यह कॉलर से बातचीत भी करता है।

Equal AI ने अपने AI बेस्ड कॉलर असिस्टेंट की टेस्टिंग भी की। इसने 87% तक अनचाहे कॉल्स को कम किया, डिलीवरी कॉल्स पर लगने वाले समय में 73% की कटौती की और 94% स्पैम कॉल्स को बिना किसी गलती के पकड़ा। यह ऐप यूजर के कॉन्टैक्ट लिस्ट में सेव नंबरों की कॉल्स पर रिएक्ट नहीं करता है, ताकि यूजर जरूरी कॉल मिस न कर पाए।।

60% लोगों को आते हैं स्पैम कॉल्स

भारत में 60% से ज्यादा लोग हर दिन तीन या इससे अधिक स्पैम कॉल्स झेलते हैं। 2024 की पहली छमाही में टेलीकॉम रेगुलेटरी अथॉरिटी ऑफ इंडिया यानी TRAI को 7.9 लाख से ज्यादा शिकायतें मिलीं। Do-Not-Disturb (DND) और कॉलर ID ऐप्स जैसे टूल्स के बावजूद स्पैम, स्कैम और अनचाहे कॉल्स लोगों का समय बर्बाद करते हैं। कई बार लोग स्पैम कॉल करने वालों के जाल में भी फंस जाते हैं।

भारत को ध्यान में रखकर बनाया

फाउंडर रेड्डू का कहना है कि AI असिस्टेंट खास तौर पर भारत के लिए बनाया गया है। भारत में भाषा, नाम और लोकल खासियतों को ध्यान में रखकर इसे डिजाइन किया गया है। भारतीय नामों को सही उच्चारण करने में अक्सर AI को दिक्कत होती है, लेकिन Equal AI इस समस्या को हल करने की कोशिश कर रहा है।

सेहत की बात

सेल्फी से हो सकेगी दिल की बीमारी की पहचान, चेहरे के लक्षण बताएंगे हाल

सेल्फी से दिल संबंधी बीमारी का पता लगाया जा सकता है। चौंकानेवाला खुलासा यूरोपियन हर्ट जर्नल में प्रकाशित शोध में किया गया है। शोध में चेहरे की कुछ विशेष लक्षण का संबंध दिल की बीमारी से जोड़ा गया है। बाल का बढ़ना, झुर्रियां, बाहरी कान का लटकता हुआ मांस पुतलियों के आसपास और त्वचा के नीचे कोलेस्ट्रोल का जम जाना चेहरे के विशेष लक्षण हैं।

सेल्फी से दिल के रोग का पता

शोध में पहली बार कंप्यूटर एलगोरिथ्म का इस्तेमाल करते हुए किसी चेहरे के चार फोटो का अध्ययन कर कोरोनरी धमनी रोग का पता लगाया गया। हालांकि अभी पूरी तरह से साबित नहीं हुआ है कि दिल की बीमारी सेल्फी से पकड़ में आ सकती है। शोधकर्ताओं का कहना है कि एलगोरिथ्म को अभी और ज्यादा विकसित किए जाने की जरूरत है। इसके अलावा शोध में अलग-अलग लोगों के ग्रुप को शामिल किया जाना चाहिए। उन्होंने ये जरूर बताया कि इसमें स्क्रीनिंग टूल के तौर पर इस्तेमाल किए जाने की क्षमता है, जिससे सामान्य लोगों या गंभीर खतरे वाले ग्रुप में दिल की बीमारी की पहचान की जा सके।

शोधकर्ताओं ने किया खुलासा

शोधकर्ता प्रोफेसर जी ज्यांग कहते हैं, ÷हमारी जानकारी में ये पहला मामला है जिससे पता चलता है कि आर्टिफिशियल एंटेलिजेंस की मदद से दिल की बीमारी की पहचान में चेहरे का अध्ययन किया जा सकता है। ये डीप लर्निंग आधारित टूल विकास की दिशा में एक कदम आगे है ,जिसका इस्तेमाल दिल की बीमारी के खतरे के बारे में किया जा सकता है.। सेल्फी अतिरिक्त टेस्टिंग या डॉक्टरी संपर्क की जरूरत के बारे में बता सकता है.÷ उन्होंने कहा कि ये जांच के जरूरतमंद मरीजों की पहचान का आसान, साधारण और प्रभावी माध्यम हो सकता है।

शोधकर्ताओं की टीम ने चीन के आठ अस्पताल से 5 हजार 796 वॉलेंटिर को शामिल किया। वॉलेंटिर को दो ग्रुप में बांटा गया। सभी वॉलेंटियर अलग-अलग जांच से गुजर रहे थे। शोध का नतीजा जुलाई 2017 से मार्च 2019 के बीच उनके स्वास्थ्य का परीक्षण कर निकाला गया। इसके अलावा डिजिटल कैमरे का इस्तेमाल करते हुए मरीजों के चार फोटो लिए गए। इस तरह डाटा का संग्रहण और मरीजों का इंटरव्यू कर मेडिकल इतिहास, जीवन शैली संबंधी आदतें और आर्थिक सामाजिक कारणों का पता लगाया गया।

किसानों की बढ़ी चिंता: खेतों में खड़ी फसल पर गहरा गया संकट

नए सिस्टम ने रोकी मानसून की विदाई, बारिश से सड़कें तरबतर, निचली बस्तियों में भरा पानी

सीहोर, दोपहर मेट्रो

डिप्रेशन, डीप डिप्रेशन और साइक्लोनिक सर्कुलेशन (चक्रवात) के सक्रिय होने से मध्यप्रदेश के पूर्वी हिस्से में बारिश हुई है। सीहोर में भी शनिवार को शाम 4 बजे के करीब तेज बारिश हुई। बारिश से शहर की सड़कें तरबतर हो गई। निचली सड़क और गड्ढों में पानी भर गया। बारिश का यह सिलसिला आगे ज्यादा दिन का नहीं है, इसी सप्ताह मानसून की विदाई हो सकती है।

सीहोर जिले में मानसून ने 21 जून को दस्तक दी थी। हर साल 6 अक्टूबर तक प्रदेश से मानसून की विदाई हो जाती है, लेकिन इस बार नया सिस्टम बनने से विदाई की तिथि आगे बढ़ गई है। आरएके कृषि महाविद्यालय के मौसम विशेषज्ञ डॉ. एसएस तोमर ने बताया कि यह मानसून की विदाई का समय चल रहा है, आगे तेज बारिश के आसार नहीं है। शनिवार को सीहोर में करीब 15 मिनट के लिए तेज बारिश हुई है, हालांकि अभी सीहोर शहर और जिले में औसत बारिश का कोटा पूरा नहीं हुआ है। जिले में पिछले साल से भी कम बारिश हुई है।

शहर में अभी दो दिन ऐसा ही रहेगा मौसम

मौसम वैज्ञानिक डॉ. एसएस तोमर ने बताया कि चक्रवात के कारण अभी मौसम दो दिन ऐसा ही रहेगा। 5 और 6 अक्टूबर को हल्की बारिश के आसार है, लेकिन उसके बाद मौसम साफ हो जाएगा। शनिवार को हवा की दिशा उत्तर पश्चिम रही है, गति 8 से 10 किलोमीटर प्रति घंटे रिकॉर्ड की गई है। मौसम वैज्ञानिक डॉ. तोमर के मुताबिक तापमान में निरंतर वृद्धि हो रही है। शनिवार को शहर का अधिकतम तापमान 32.5 डिग्री और न्यूनतम तापमान 23.0 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया है। तापमान में वृद्धि से लोप्रेशर जोन बन रहा है, जिसके चलते बारिश हो रही है।

दीक्षांत समारोह में टॉपर्स को किया सम्मानित

नर्मदापुरम। शासकीय संभागीय आईटीआई नर्मदापुरम में दीक्षांत समारोह का आयोजन हुआ। इस दौरान प्रदेश स्तर पर व संस्था में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रशिक्षणार्थियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम संयुक्त संचालक इंदौर सतीश मोरे की उपस्थिति में हुआ। कार्यक्रम में विधायक डॉ. सीतासरन शर्मा, लोकसभा सांसद दर्शन सिंह चौधरी, राज्यसभा सांसद माया नारोलिया, नगर पालिका अध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव, पार्षद प्रेमा पांडे, स्वदेश राजपूत, नारायण कीर एवं संस्था के समस्त प्रशिक्षण अधिकारी, मेहमान प्रवक्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन रविंद्र भार्गव प्रशिक्षण अधिकारी ने किया। व्यवस्था विशाल सक्सेना, श्याम मालवीय, जानिक मरकाम, अशोक उईके प्रभारी प्रशिक्षण अधीक्षक, ललिता भलावी, मीना मंगोरे, शीतल सोलंकी, विनय पटेल आदि के सहयोग से हुआ। कार्यक्रम में पधारे समस्त जनप्रतिनिधियों, संस्था स्टाफ एवं प्रशिक्षणार्थियों का आभार प्रभारी प्राचार्य संजय कुमार तेकाम ने व्यक्त किया गया।

इको सेंसिटिव जोन का सीमांकन करें

नर्मदापुरम। कलेक्टर सोनिया मीना ने सतपुड़ा टाइगर रिजर्व (एसटीआर) एवं उससे लगे हुए राजस्व और वन क्षेत्र की भूमि के इको सेंसिटिव जोन निर्धारण की प्रक्रिया की समीक्षा बैठक ली। बैठक में उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि शासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार नक्शे और स्थल निरीक्षण के आधार पर राजस्व एवं वन विभाग संयुक्त रूप से इको सेंसिटिव जोन का सीमांकन करें। कलेक्टर ने कहा कि यह कार्य आगामी एक सप्ताह के भीतर पूर्ण करते हुए संपूर्ण प्रस्ताव तैयार किया जाए, जिससे उसे शासन को भेजा जा सके। उन्होंने बताया कि इको सेंसिटिव जोन का निर्धारण संबंधित क्षेत्र में अनाधिकृत और व्यावसायिक गतिविधियों पर नियंत्रण तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए आवश्यक है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि पहले से निर्धारित इको सेंसिटिव जोन सीमाओं का पुनः परीक्षण कर आवश्यक संशोधन के साथ नया सीमांकन प्रस्ताव तैयार किया जाए। बैठक में उप संचालक एसटीआर ऋषभा नेताम, सिटी मजिस्ट्रेट बृजेन्द्र रावत सहित वन एवं एसटीआर विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

हिन्दू संगठनों ने की भारत माता पर अशोभनीय टिप्पणी करने वाले युवक पर कार्रवाई की मांग

विश्व हिन्दू परिषद और सकल हिन्दू समाज ने दिया ज्ञापन

गंजबासौदा, दोपहर मेट्रो

भारत माता पर अशोभनीय टिप्पणी करने वाले युवक पर रासुका की कार्रवाई के लिए विश्व हिन्दू परिषद और सकल हिन्दू समाज ने कलेक्टर के नाम एसडीएम को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बताया गया कि भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 वर्ष पूर्ण होने पर देश में संघ के योगदान को लेकर (भारतीय मुद्रा) सिक्का जारी किया गया है सिक्के पर एक ओर अशोक स्तंभ है तो दूसरी ओर भारत माता का चित्र अंकित है। संघ पर सिक्का जारी होने के हर्ष स्वरूप सिरोंज के स्थानीय नागरिक चक्रेश श्रीवास्तव ने फेसबुक पर पोस्ट डाली जिस पर विगत दिवस सिरोंज के ही एक युवक असद खान जिलानी ने भारत माता के प्रति बहुत ही आपत्तिजनक टिप्पणी की जिलानी ने भारत माता

को डायन और उनके अनुयायियों को पिशाच कहा है। इस प्रकार की मानसिकता के युवक द्वारा भारत माता एवं भारत सरकार द्वारा जारी भारतीय मुद्रा पर आपत्तिजनक टिप्पणी करना राजद्रोह है इस व्यक्ति पर पूर्व से भी कई मामले दर्ज हैं इस पर जिलाबदर की कार्यवाही भी हो चुकी है। ऐसे व्यक्ति स्वच्छ समाज के लिए खतरा हैं। ज्ञापन में मांग की गयी है, कि असद खान जिलानी पर राजद्रोह का मामला पंजीबद्ध किया जाकर रासुका एवं जिलाबदर की कार्यवाही की जावे और उसकी अवैध गतिविधियों की जांच की जाये तथा अवैध संपत्तियों पर बुलडोजर कार्यवाही की जाये। इस अवसर पर विहिप- बजरंग दल, हिन्दू जागरण मंच, भाजपा, सहित हिन्दू संगठनों के कई कार्यकर्ता उपस्थित थे।

नवनीत का राज्य स्तरीय कबड्डी स्पर्धा में चयन

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

समेरिटंस विद्यालय बायां के छात्र नवनीत गौर का चयन भोपाल ज़ोन से एसजीएफआई राज्य स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता अंडर-14 बालक वर्ग के लिए किया गया है। यह प्रतियोगिता खालवा, खंडवा में आयोजित होगी। इस उपलब्धि पर विद्यालय परिवार में हर्ष की लहर दौड़ गई।

विद्यालय संचालन समिति सदस्यों, प्राचार्य अपर्णा तिवारी एवं कबड्डी कोच निलेश यादव ने इस सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह उपलब्धि निरंतर परिश्रम, लगन और नियमित प्रशिक्षण का परिणाम है। विद्यालय की प्राचार्या अपर्णा तिवारी ने नवनीत गौर ने कहा कि यह विद्यालय के लिए गर्व की बात है तथा नवनीत का यह प्रदर्शन अन्य विद्यार्थियों को भी प्रेरणा देगा।

फुटबॉल प्रतियोगिता में खेलेंगी पावनी

सिरोंज। 69वीं राज्य स्तरीय शालेय फुटबाल प्रतियोगिता में सिरोंज के संत सुधासागर इंटरनेशनल स्कूल की छात्रा पावनी शर्मा भी भोपाल संभाग की टीम का प्रतिनिधित्व करेंगी। यह जानकारी देते हुए स्कूल के प्राचार्य गौरव दुबे ने बताया कि पावनी ने श्रेष्ठ प्रदर्शन कर इटारसी मेंआयोजित होने वाली संभागीय टीम में अपना स्थान पक्का किया है। उनके चयन पर खेल शिक्षक शान मियां, जमशेद खान और शिवम भास्कर ने हर्ष व्यक्त किया है।

गिरते पानी में उत्साह से निकला पथ संचलन, नागरिकों ने की पुष्पवर्षा

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ द्वारा शताब्दी वर्ष 2025 के अवसर पर श्री विजयादशमी उत्सव पथ संचलन शनिवार को शहर के विभिन्न मार्गो से होते हुए निकला ! हनुमान मंदिर हंसराज मैरिज गार्डन से प्रारंभ रेंज ऑफिस शीतला माता मंदिर गांधी चौक पाठक चौक गायत्री मंदिर गर्ल्स स्कूल सहित मार्गो से निकाला गया, गिरते पानी में उत्साहपूर्वक अनुशासन में पथ संचलन निकला घोष की धुन पर पूर्ण गणवेश में कदमताल करते हुए स्वयंसेवकों ने पथ संचलन में भाग लिया तथा बड़ी संख्या स्वयंसेवक इसकी व्यवस्था में लगे पथ संचलन को देखने के लिए लोग सड़क किनारे उमड़े।पुष्प वर्षा कर पथ संचलन में शामिल स्वयं सेवकों का स्वागत किया गया। इस अवसर पर संघ के स्वयंसेवक पूर्ण गणवेश में सम्मिलित हुए! विजयादशमी का यह पथ संचलन संघ की अनुशासन, संगठन और राष्ट्रभक्ति की परंपरा को

दर्शाता है जिसमें बड़ी संख्या में स्वयंसेवक शामिल हुए।

देवी अहिल्याबाई गैलरी का लोकार्पण, विरासत से रूबरू होंगे पर्यटक

महेश्वर, दोपहर मेट्रो

इतिहास, भक्ति और प्रशासनिक दक्षता की प्रतीक पुण्यश्लोक देवी अहिल्याबाई होलकर की स्मृति में राजवाड़ा परिसर में स्थापित देवी अहिल्याबाई गैलरी का शनिवार को भव्य लोकार्पण किया गया। इस ऐतिहासिक अवसर पर मुख्य अतिथि विधायक राजकुमार मेव, मंडल अध्यक्ष विक्रम पटेल और अनेक गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति रही। आयोजन का संचालन ख़ासगी ट्रस्ट द्वारा किया गया, जिसने इस गैलरी की स्थापना में प्रमुख भूमिका निभाई है।

गैलरी का उद्देश्य पर्यटकों को देवी अहिल्याबाई होलकर के अद्वितीय जीवन, भक्ति, लोकसेवा और शासन की नीतियों से परिचित कराना है। यह गैलरी मराठा राजवाड़ा की पारंपरिक स्थापत्य कला शैली में निर्मित है, जो अपने आप में एक स्थापत्य सौंदर्य का उत्कृष्ट उदाहरण है। भवन का हर कोना अहिल्याबाई के युग की गंध और गौरव से

भरा हुआ प्रतीत होता है।

इस गैलरी का सबसे बड़ा आकर्षण है पद्मश्री भालू मोंढे द्वारा निर्मित अद्भुत हाथ से बनी डायोरामा श्रृंखला, जो देवी अहिल्याबाई के जीवन के विभिन्न चरणों को जीवंत करती है। इस श्रृंखला में उनके बचपन, सामाजिक उत्थान कार्यों, मंदिर निर्माण, तीर्थों के पुनर्निर्माण और जनता के प्रति समर्पण जैसे प्रसंगों को इतने भावनात्मक और सजीव रूप में दर्शाया गया है कि दर्शक खुद को उस ऐतिहासिक कालखंड का हिस्सा महसूस करते हैं। भालू मोंढे की यह कलाकृति कला और इतिहास का ऐसा संगम है, जो आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करेगा।

गैलरी में होलकर राजवंश से जुड़ी अमूल्य ऐतिहासिक धरोहरें भी प्रदर्शित हैं जैसे शस्त्र, प्राचीन सिक्के, दस्तावेज़, राजकीय मुहरें, राजसी पालकियां और अन्य वस्तुएं, जो उस समय की समृद्ध विरासत को दर्शाती हैं। यहां स्थापित प्रदर्शनियों के माध्यम से पर्यटक देवी अहिल्याबाई के नेतृत्व में हुए सामाजिक और सांस्कृतिक परिवर्तनों की गहराई को समझ सकते हैं।

कार्यक्रम में प्रिंस यशवंतराव होलकर ने कहा कि देवी अहिल्याबाई का जीवन नारी शक्ति, करुणा और नेतृत्व का प्रतीक है। उन्होंने जनता के कल्याण के लिए जो कार्य किए, वे आज भी प्रेरणा स्रोत हैं। इस अवसर पर अहिल्या स्मारिका पुस्तिका और चांदी से निर्मित कम्युनिटी मेडल का भी विमोचन किया गया। बताया गया कि इस मेडल की बिक्री से प्राप्त राशि देवी अहिल्या बाल ज्योति स्कूल की छात्राओं की शिक्षा में खर्च की जाएगी, जो अहिल्याबाई की शिक्षा और समाजसेवा की परंपरा को आगे बढ़ाने का प्रयास है।

मानसिक अस्वस्थ मिथुन के स्वास्थ्य में हो रहा सुधार

गंजबासौदा, दोपहर मेट्रो

रसूलपुर निवासी मिथुन को मानसिक बीमारी के कारण परिवार के लोग पिछले एक साल से जंजीर से बांधकर रखे हुए थे। जानकारी लगने पर कलेक्टर के निर्देश पर युवक को जंजीरों मुक्त कराकर जिला अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया था। युवक का मेडिकल कॉलेज में इलाज किया जा रहा है। मानसिक रोग विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. नरेश सोलंकी ने बताया कि युवक के स्वास्थ्य में सुधार हो रहा हैं दवाओं का सकारात्मक असर भी हो रहा है। जल्द ही स्वस्थ हो जाएगा। अभी कुछ दिन और अस्पताल में विशेष निगरानी में रखते हुए उपचार किया किया जाएगा। डॉक्टर का कहना है कि इलाज के बाद उसे घर पर जंजीरों में बांधकर रखने की जरूरत नहीं पड़ेगी। वहीं डाक्टर का कहना किसी भी मानसिक अस्वस्थ मरीज को इस तरह जंजीरों से बांधकर नहीं रखना चाहिए। इलाज से मरीज ठीक हो जाते है। इसलिए कुछ भी होने पर परिजन मरीज को अस्पताल में इलाज को लेकर आएं। ऐसे मानसिक अस्वस्थ मरीजों को घर पर कैद करके नहीं रखना चाहिए।

मेट्रो एंकर नवदुर्गा उत्सव समिति की चलित झांकियों का सिलसिला सूर्यास्त के समय तक चला

सिरोंज की ठकुराइन की झांकी मुख्य बाजार से निकली, किया विसर्जन

सिरोंज,दोपहर मेट्रो

सूर्योदय के साथ शुरू हुआ नवदुर्गा उत्सव समिति की चलित झांकियों का सिलसिला सूर्यास्त के समय तक चलता रहा। शहर में नवरात्रि उत्सव के समापन की धूम गुरुवार से शुरू हो गई थी। बड़ी संख्या में समिति सदस्य मां दुर्गा की प्रतिमा का विसर्जन करने देर रात तक कुंड पर पहुंचे। इस बीच लोगों को उम्मीद थी कि रात में ही झांकियों का चल समारोह भी शुरू हो जाएगा लेकिन इस इंतजार में ही सुबह हो गई। सुबह सूर्योदय के साथ ही सबसे पहले मदनमोहन पथ पर स्थापित सिरोंज की ठकुराइन की झांकी मुख्य बाजार में पहुंची। इस झांकी शोभा देखते ही बन रही थी। सबसे आगे कन्हैया और राधा रानी के स्वरूप मेंनौकाविहार कर रहे थे। इसके बाद बेटियों का समूह गरबा के साथ ही लट्ठ चलाते दिखाईदे रहा था। वहींसाथ मैं देवी के भव्य रूप का दर्शन हो रहा था। इसकेसाथ ही क्रमवार झांकियों के आने का सिलसिला चलता रहा। चल समारोह में बामौरा रोड पर स्थित वाल्मीकि बाल मंडल ने ऑपरेशन सिंदूर पर आधारित भारतीय सैनिकों की वीरता को प्रदर्शित करती झांकी का प्रदर्शन किया। इसके साथ ही नवदुर्गा उत्सव समिति कस्टम पथ, रूसल्ला वाली माता मंदिर नवदुर्गा उत्सव समिति, नवदुर्गा उत्सव समिति कंड्यापुरा, नवदुर्गा उत्सव समिति मालवा लाज के सामने, मां भवानी नवदुर्गा उत्सव समिति भवानी नगर तथा लवकुश बाल मंडल की झांकियों में धार्मिक प्रसंगों पर आधारित भव्य प्रदर्शन किया गया था।

बाधा बने बिजली के तार

इस बार अनेक झांकियों ने तीन से चार टेऊक्टर-ट्रालियों को जोड़ कर लंबी झांकियों का निर्माण किया था। इन झांकियों की ऊंचाई भी काफी अधिक थी। जब ये झांकियां कस्टम पथ और मुख्य बाजार में पहुंची तो चौराहे के मोड़ और बिजली के तार बड़ी बाधा बनकर सामने आए। कुछ मोड़ पर तो इन झांकियों को निकले में ही घंटो बीत गए। वहीं बिजली के तारों से झांकियों को बचाने के लिए बिजली कंपनी के कर्मचारी ही दिनभर मशक्कत करते दिखाई दिए। इस प्रक्रिया कब दोपहर से शाम हो गई पता ही नहीं चला। हालात ऐसे बने कि कुछ झांकियां तो सूयास्त के बाद अपने गंतव्य तक वापस लौटी। इस बीच तेज धूप केकारण झांकी में सजे स्वरूपों की हालत पतली हो गई और उनका मेकअप भी खराब हो गया।

वीरांगना रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व से लगे सामान्य वन परिक्षेत्र में लगातार बढ़ रही है तेंदुआ, बाघ, भालू ,हिरण की सक्रियता

वन्य प्राणियों की बढ़ती गतिविधियों से ग्रामीणों में दहशत, सतर्कता बरतने की अपील

तेंदूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

वीरांगना रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व के अंतर्गत आने वाले परिक्षेत्रों के अलावा सामान्य वन परीक्षेत्रों में बीते 15 दिनों से तेंदुआ सहित अन्य वन्य प्राणियों की लगातार सक्रियता दर्ज की जा रही है। ये प्राणी खासतौर पर रात्रि के समय दिखाई दे रहे हैं, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में डर का माहौल बन गया है। रात्रि में सफर करने वाले राहगीर अब यहां के मार्गों पर यात्रा करने से कतरा रहे हैं। सबसे ज्यादा परेशानी जंगलों में बसे गांवों केग्रामीणों को हो रही है जिनका रात्रि में जंगलों से आना जाना रहता है।

वन विभाग की रिपोर्ट के अनुसार, ये वन्य प्राणी अपनी प्राकृतिक सीमा और आवास क्षेत्र के भीतर ही सक्रिय हैं, लेकिन उनकी बढ़ती संख्या और खुले में दिखना आम नागरिकों के लिए चिंता का कारण बन गया है। विभाग ने नागरिकों से सावधानी और सतर्कता बरतने की अपील की है, साथ ही यह भी स्पष्ट किया है कि अभी तक किसी पर हमले की घटना दर्ज नहीं की गई है। केवल कुछ जगह मवेशियों को ही निशाना बनाया गया है जो जंगल में चरने के लिए जाते हैं वन्य प्राणियों की गतिविधि केवल जंगलों तक सीमित नहीं रही, बल्कि अब यह आसपास के महत्वपूर्ण मार्गों तक पहुंच गई है। कभी दमोह-जबलपुर सीमा के 27 मील क्षेत्र में, तो कभी सेल बड़ा मार्ग और तारादेही मार्ग जैसे प्रमुख रास्तों पर इनका देखा जाना आम हो गया है। ये मार्ग ग्रामीणों की दैनिक आवाजाही के प्रमुख साधन हैं, जिससे उनकी चिंता और भी बढ़ गई है। इस परिस्थिति को देखते हुए वन विभाग ने इलाके में गश्त बढ़ा दी है। साथ ही 27 मील तरफ चेतावनी बोर्ड लगाए गये हैं ताकि लोगों को समय रहते सतर्क किया जा सके। ग्रामीणों को सलाह दी गई है कि वे रात के समय अनावश्यक यात्रा से बचें और बच्चों व पशुओं की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखें।

जैसीनगर का नाम जय शिव नगर करने की सीएम की घोषणा के बाद बढ़ा आक्रोश

सुरखी विधानसभा का नाम बदलने को लेकर विवाद, सियायत चरम पर

सागर, दोपहर मेट्रो

जिले की सुरखी विधानसभा का जैसीनगर (जयसिंह नगर) अपने नाम को लेकर सुर्ख है. जैसीनगर का नाम बदलकर जय शिव नगर करने की घोषणा के बाद यहां सियासत चरम पर है। इस मुद्दे को लेकर पूर्व गृह मंत्री व खुरई विधायक भूपेंद्र सिंह समर्थक और सुरखी विधायक व केबिनेट मंत्री गोविंद सिंह राजपूत आमने-सामने हैं। दरअसल पूरा विवाद पिछले दिनों जैसीनगर आए मुख्यमंत्री मोहन यादव द्वारा मंच से जैसीनगर का नाम बदलकर जय शिव नगर करने के ऐलान के बाद उपजा। इस घोषणा के बाद क्षेत्र सहित जिले की दांगी क्षत्रिय राजपूत समाज ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिए। ज्ञापन सौंपे जाने का सिलसिला लगातार जारी है.

इस मामले में खाद्य मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने यह कह कर विराम लगा दिया है कि जैसीनगर का नाम नहीं बदला जाएगा। ऐसा कोई प्रस्ताव जिला प्रशासन ने नहीं भेजा है। उन्होंने खुरई विधायक भूपेंद्र का नाम लिए बगैर कहा कि कुछ लोग जैसीनगर के नाम पर अपनी राजनीतिक रोटियां सेक रहे हैं। नहीं बदला जाएगा जैसीनगर का नाम भ्रम में न आएं। सुरखी विधानसभा क्षेत्र के जैसीनगर में कुछ लोग भ्रम फैला कर लोगों को भड़काने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जनता का फैसला सर्वमान्य है जैसी नगर के नाम पर कुछ

लोग अपनी राजनीतिक रोटियां सेंक रहे हैं और हमारी भोली भाली जनता को बरगलाने का प्रयास कर रहे हैं। लेकिन वह यह नहीं जानते कि यह जनता सब जानती है कि कौन क्या कर रहा है। राजपूत ने क्षेत्रवासियों से अपील करते हुए कहा कि किसी के बहकावे में ना आएं अपने क्षेत्र का विकास सुनिश्चित करें जो आप लोग चाहेंगे वही होगा जैसी नगर का नाम नहीं बदला जाएगा जिन लोगों ने यह षड्यंत्र रचा है उनके लिए हमारे क्षेत्र की जनता ही जवाब देगी हम आपके साथ हैं और हमारा संकल्प है कि हमेशा आपकी सेवा करते रहें। राजपूत ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के जैसीनगर आगमन पर उनके समक्ष जैसीनगर का नाम बदलकर जय शिव नगर करने की बात रखी गई थी। यह बात भी जैसीनगर की आम जनता की थी। मंत्री राजपूत ने बताया की जैसीनगर एक ऐतिहासिक नगर है, जो क्षत्रिय समाज की वैभवशाली परंपरा और हिंदू धार्मिक विरासत का प्रतीक है। यहां एक प्राचीन बड़े महादेव का मंदिर भी है। जो भगवान शिव की पूजा का प्राचीन केंद्र है। यह मंदिर स्थानीय संस्कृति और धार्मिक विरासत का जीवंत प्रतीक है। मंदिर की स्थापना राजा जय सिंह द्वारा ही की गई मानी जाती है, जो हिंदू धर्म के संरक्षण में क्षत्रिय शासकों की भूमिका को रेखांकित करता है।

नहीं भेजा कोई प्रस्ताव

राजपूत ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव जब जैसीनगर आए थे, तो उनके सामने जैसीनगर का नाम बदलकर जयशिवनगर करने की बात आई थी, तब उन्होने कहा था कि इसका प्रस्ताव भिजवाऐं तब इस पर विचार किया जायेगा। अभी तक न तो कोई प्रस्ताव भेजा गया और न ही कोई निर्णय हुआ है। जिला प्रशासन एसडीम द्वारा भी नाम बदलने को लेकर कोई प्रस्ताव नहीं भेजा गया है और ना ही कोई प्रस्ताव भेजे जाने की कार्यवाही हो रही है। राजपूत ने कहा कि राजा जयसिंह के नाम से ही इस ग्राम पंचायत का नाम जैसीनगर पड़ा है। राजा जयसिंह हम सबके गौरव है। उनके नाम से कोई राजनीति नही होना चाहिए।

सामाजिक समरसता का उदाहरण रामायण है: खेमरिया

सागर। सामाजिक समरसता सम्मेलन का आयोजन राजघाट रोड स्थित सागर वैली में किया गया. सम्मेलन में संघ के पांच परिवर्तन पर चर्चा की गई. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि वर्षा सिंह वरिष्ठ अधिवक्ता उच्च न्यायालय मध्य प्रदेश एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में अजय दुबे जिला अध्यक्ष विश्व हिंदू परिषद सागर एवं वसंत श्रीवास्तव प्रांत संयोजक सामाजिक समरसता रहे. कार्यक्रम की अध्यक्षता इंजी.एस.आर.सिंह ने की. कार्यक्रम के संयोजक परशुराम कल्याण बोर्ड सागर के जिला प्रभारी मधुसूदन खेमरिया ने कहा कि सामाजिक समरसता का सबसे अच्छा उदाहरण हमारी रामायण एवं रामसेतु है। अजय दुबे ने कहा कि हमारे समाज में कुछ असामाजिक तत्व जो हिंदू समाज के खिलाफ उत्तेजित नारे लगाते हैं उन्हें राजनीतिक संरक्षण प्राप्त है। कार्यक्रम का संचालन एकता मधुसूदन खेमरिया ने किया एवं आभार प्रदर्शन डॉ. निवेदिता रत्नाकर ने किया।

यामिनी ने भारत का नाम रोशन किया: लारिया

सागर। जूडो आसान खेल नहीं है। फुटबॉल के बाद यह दुनिया का दूसरा ऐसा खेल है जहां मानसिक और शारीरिक पराक्रम का कड़ा इम्तिहान होता है। जूडो आत्म नियंत्रण, रणनीति और सहनशीलता का मेल है। भारत परंपरागत रूप से जूडो में पावर हाउस नहीं रहा है। ऐसे में एक लड़की के तौर पर जूडोका में अपनी पहचान बनाना यामिनी मौर्य के लिए दोहरी उपलब्धि है। यामिनी ने हौसले और कुशलता की दम पर भारत का नाम रोशन कर अंतर्राष्ट्रीय सफलता से दुनिया में अपनी पहचान बनाई। यामिनी अन्य बेटियों के लिए रोल मॉडल एवं प्रेरणा स्रोत है। यह बात नरयावली विधायक इंजी. प्रदीप लारिया ने विधायक कार्यालय में जूडो खिलाड़ी यामिनी मौर्य का स्वागत एवं सम्मान कर हौसला अफ़जाई करते हुऐ अभिव्यक्त किये। उन्होंने कहा कि हमें गर्व है विधानसभा परिवार के पुरानी सदर, केंट निवासी बेटी यामिनी ने न सिर्फ राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर मेडल जीते, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय मंच पर भारत का परचम भी लहराया। यामिनी के कोच दीपक रजक ने विधायक लारिया को यामिनी की उपलब्धियों से अवगत कराया कि यामिनी ने हाल ही में 29 सितंबर से 2 अक्टूबर 2025 तक आयोजित राष्ट्रीय रैंकिंग प्रतियोगिता में 57 किलोग्राम वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त किया। एशियन गेम्स 2026 और कॉमनवेल्थ गेम 2026 के ट्राइल के लिए एवं आने वाले इंटरनेशनल गेम्स के लिए चयन हो गया है और अभी हाल ही में 12 से 13 जुलाई 2025 में एशिया ओपन में चायनीज़ ताइपे में सिल्वर मेडल जीता।

मुख्य खंड चिकित्सा अधिकारी को सौंपा ज्ञापन

आउटसोर्स कर्मियों को नहीं मिला कई माह से वेतन, भुगतान करने की मांग

तेंदूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, के अंतर्गत कार्यरत आउटसोर्स कर्मचारियों ने शनिवार को मुख्य खंड चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को एक आवेदन पत्र सौंपा। आवेदन में बताया गया है कि केंद्र में कार्यरत कई आउटसोर्स कर्मचारियों को पिछले दो चार माह एवं पाँच माह से वेतन का भुगतान नहीं किया गया है कर्मचारियों ने बताया कि वे आर्थिक तंगी से जूझ रहे हैं और बार-बार संबंधित एजेंसी एवं अधिकारियों से संपर्क करने के बावजूद अब तक वेतन नहीं मिला है। इस स्थिति के चलते उनके परिवारों का भरण-पोषण करना कठिन हो गया है।मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने आवेदन प्राप्त कर उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया और कहा कि इस विषय में संबंधित एजेंसी एवं उच्च अधिकारियों से चर्चा कर शीघ्र समाधान निकाला जाएगा।कर्मचारियों ने मांग की है कि उनका बकाया वेतन जल्द से जल्द प्रदान किया जाए और भविष्य में समय पर भुगतान सुनिश्चित किया जाए, ताकि वे मानसिक और आर्थिक तनाव से मुक्त होकर सेवाएं दे दिनेश कुमार सोनी ,शुभम केवट ,विजय सिंह ठाकुर, राजेश कुमार सोनी, शकुन रैकवार, प्रीति वाल्मीकि, भागीरथ ,गैसा ,सविता, प्रीति ,राजा विश्वकर्मा ,राजेश साहू ,मिथिलेश आदि शामिल है।

महाकाल के दर पर पहुंचे क्रिकेटर शिखर धवन

बोले- यहां शांति मिलती है

उज्जैन, दोपहर मेट्रो

भारतीय क्रिकेटर शिखर धवन ने रविवार सुबह विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में भगवान महाकाल के दर्शन किए। वह भस्म आरती में शामिल हुए और नंदी हॉल में बैठकर पूरी तरह भक्ति में लीन नजर आए। धवन ने कहा कि भगवान महाकाल के दरबार में आकर शक्ति का अनुभव होता है।दर्शन-पूजन के बाद मीडिया से बात करते हुए शिखर धवन ने बताया कि वह दूसरी बार बाबा महाकाल के दरबार में आए हैं। उन्होंने कहा कि यहां आकर हर कोई बाबा की भक्ति में लीन हो जाता है और बहुत शक्ति मिलती है। भगवान महाकाल का आशीर्वाद हमेशा जरूरी है।

सिवनी लखनादौन राष्ट्रीय राजमार्ग पर पलटी एम्बुलेंस

सिवनी, दोपहर मेट्रो

जिले के लखनादौन थाना क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग 34 पर एक एम्बुलेंस पलट गई। यह घटना लगभग 3:30 बजे कृषि फार्म के समीप हुई। हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ है।

जोबा से लखनादौन की ओर आ रही एम्बुलेंस का स्टेरिंग अचानक लॉक हो गया। स्टेरिंग लॉक होने के कारण वाहन अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गया। एम्बुलेंस में उस समय कोई मरीज नहीं था। वाहन में सिर्फ चालक और कंडक्टर मौजूद थे, जिन्हें कोई चोट नहीं आई है।

प्रत्यक्षदर्शियों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही लखनादौन पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी।

दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान की शुरुआत

तेंदूखेड़ा। जिला उपसंचालक के दिशा निर्देशन में पशु चिकित्सक पशुपालन एवं डेयरी विभाग द्वारा किसानों की आय को बढ़ाने एवं दुग्ध उत्पादन को दोगुना करने के उद्देश्य से दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान का शुभारंभ 2 अक्टूबर 2025 से दमोह जिले में किया गया है। यह अभियान जिले के विभिन्न गाँवों में संचालित किया जा रहा है, जिसमें पशुपालकों से व्यक्तिगत रूप से संपर्क कर उन्हें पशुओं की नस्ल सुधार, पोषण और स्वास्थ्य संबंधी जानकारी प्रदान की जा रही है। अभियान को तीन चरणों में संचालित किया जा रहा है-प्रथम चरण (2 अक्टूबर से 9 अक्टूबर 2025 तक) - इस चरण में ऐसे पशुपालकों से संपर्क किया जा रहा है, जिनके पास 10 या उससे अधिक गाय/भैंस हैं। द्वितीय चरण - इसमें 5 या उससे अधिक गाय/भैंस रखने वाले पशुपालकों से संपर्क किया जाएगा। तृतीय चरण - अंत में, 2 से 5 गाय/भैंस रखने वाले पशुपालकों को अभियान से जोड़ा जाएगा। इस अभियान के अंतर्गत सहायक पशु चिकित्सा अधिकारी एवं अन्य विभागीय कर्मी घर-घर जाकर पशुपालकों से मुलाकात कर रहे हैं।

मेट्रो एंकर — रानी दुर्गावती की जयंती आज, नारी शक्ति की थी मिशाल

रानी दुर्गावती ने वीरता और बुद्धिमत्ता से अपने राज्य की रक्षा की

तेंदूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

रानी दुर्गावती का साहस-शौर्य ही था, जिसके कारण आज भी हर माता-पिता अपनी बेटियों को रानी दुर्गावती की तरह साहसी निडर बनने के लिए प्रेरित करते हैं। आज का दिन ऐसी ही रानी दुर्गावती की जयंती मनाई जाएगी। रानी दुर्गावती से मिलने वाली प्रेरणा साहस, मातृभूमि के प्रति समर्पण, एक कुशल प्रशासक और महिला सशक्तिकरण से जुड़ी है। रानी दुर्गावती की जयंती हमें यह याद दिलाती है कि कैसे उन्होंने अपनी वीरता और बुद्धिमत्ता से अपने राज्य की रक्षा की, मुगलों का डटकर सामना किया और अपने राज्य के लोगों के लिए

कल्याणकारी कार्य किए वहीं महिलाओं का कहना है कि रानी युद्ध कला में माहिर होने के साथ घरेलू कार्य में भी एक्टिव रहती थीं उनसे यही सीख मिलती है कि होममेकर होकर भी स्वरोजगार से जुडकर अपनी पहचान बना सकते हैं। रानी दुगावती के जीवन में प्रशासकों को भी सीख लेने की आवश्यकता है। एआई और तकनीक के जमाने में रानी से प्रेरणा लेकर काम किया जा सकता है। क्योंकि वे हमेशा किसी भी कार्य के पहले तकनीकी रुपरेखा मानचित्र के जरिए बनाने पर विश्वास रखती थीं।

रानी दुर्गावती का साहस हमें काफी प्रभावित करता है। रानी ने शत्रुओं के सामने झुकने के बजाय युद्ध में अपने प्राणों की आहुति दे दी थी उन्होंने अपनी मातृभूमि और लोगों की रक्षा के लिए अपने प्राणों का बलिदान दिया
-कृतिका त्रिपाठी

रानी दुर्गावती इतनी स्वाभिमानी थी कि वे कभी भी किसी शत्रु के आगे समर्पण नहीं करतीं। उन्होंने अपने लोगों के कल्याण के लिए कई तालाबों का निर्माण कराया और समाज के प्रति योगदान दिया जा सकता है
-जानकी साहू

रानी दुर्गावती एक कुशल शासक थीं, जिन्होंने अपने राज्य में कृषि, सिंचाई, न्याय और सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में सुधार किए उन्होंने महिलाओं को प्रेरित किया और साबित किया कि महिलाएं भी नेतृत्व और शासन करने में सक्षम हैं।
-अनुप्रिया रजक

रानी दुर्गावती ने सीख दी है कि हर कीमत पर आत्म सम्मान, स्वाभिमान की रक्षा जरूरी है। व्यवहारिक शिक्षा जो उनके जीवन से हमें मिलती है वो ये कि शस्त्र और शास्त्र विद्या, तार्किक बुद्धि, युद्ध कौशल और ज्ञान जरूरी है
-प्रिया सेन

दो पक्षों के बीच छिंदवाड़ा में विवाद

मैं भाजपा से हूं मुझे क्यों मारा... और पुलिस से भिड़ गया शख्स

छिंदवाड़ा, दोपहर मेट्रो

नागपुर रोड स्थित वेंकटेश मॉल के पास दो पक्ष आपस में भिड़ गए। झगड़ा सुलझाने पहुंची पुलिस से भी उन्होंने झूमाझटकी की। इस पर पुलिस ने लाठी मारी। झगड़े में शामिल एक व्यक्ति ने खुद को भाजपा पदाधिकारी बताया। युवक नशे में थे। घटना शनिवार रात करीब 10:30 बजे की है। जब पुलिस ने खदेड़ा तो सड़क पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया और कुछ देर के लिए मार्ग भी बाधित रहा। इसी बीच एक युवक शैलेंद्र यादव ने खुद को भाजपा झुग्गी-झोपड़ी प्रकोष्ठ का अध्यक्ष बताते हुए सड़क पर बैठकर पुलिस पर अभद्रता के आरोप लगाए। उसने कहा मैं भाजपा का पदाधिकारी हूं, पुलिसवालों ने मुझे मारा क्यों.... घटनास्थल पर मौजूद लोगों के मुताबिक, हंगामे की सूचना मिलते ही सैकड़ों लोग मौके पर इकट्ठा हो गए। यातायात कुछ देर के लिए बाधित रहा। बाद में कोतवाली निरीक्षक खुद मौके पर पहुंचे और मुख्य आरोपी को हिरासत में लेकर थाने ले गए।

शुभमन कप्तान, श्रेयस उप-कप्तान, शमी-जडेजा आउट...

टीम चयन ने दिए भविष्य के संकेत

नई दिल्ली , एजेंसी

भारतीय क्रिकेट में अब शुभमन गिल का युग शुरू हो चुका है। भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड ने 4 अक्टूबर (शनिवार) को शुभमन गिल को वनडे टीम का भी कप्तान बनाया। इससे पहले शुभमन ने इंग्लैंड दौरे के जरिए टेस्ट टीम की कप्तानी संभली थी। शुभमन दिग्गज बल्लेबाज रोहित शर्मा की जगह वनडे टीम के कैप्टन बने हैं।

एक और बड़ी बात यह है कि श्रेयस अय्यर को वनडे टीम का उप-कप्तान नियुक्त किया गया है। बीसीसीआई का ये कदम साफ तौर पर भविष्य के लिए रणनीतिक योजना का हिस्सा माना जा रहा है, जिसमें बोर्ड धीरे-धीरे शुभमन गिल को तीनों फॉर्मेट में भारतीय टीम का स्थायी लीडर बनाने की दिशा में काम कर रहा है। बता दें कि शुभमन टी20 क्रिकेट में फिलहाल भारतीय टीम के उप-कप्तान हैं, वहीं सूर्यकुमार यादव इस फॉर्मेट में कप्तानी का दायित्व संभालते हैं। वनडे स्क्वॉड में अनुभवी खिलाड़ियों रोहित शर्मा और विराट कोहली शामिल हैं, जो टीम में अनुभव और संतुलन बनाए रखेंगे। ऋषभ पंत, हार्दिक पंड्या, मोहम्मद शमी, वरुण चक्रवर्ती और रवींद्र जडेजा को टीम में नहीं चुना गया है। ये पांचों आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में भारतीय टीम का इनमें से पंत और हार्दिक इंजरी के चलते उपलब्ध नहीं थे। वहीं वरुण चक्रवर्ती, रवींद्र जडेजा और मोहम्मद शमी को ड्रॉप किया गया।

चीफ सेलेक्टर अजीत अगकर ने कहा कि रवींद्र जडेजा को बाहर रखना है एक रणनीतिक फैसला है क्योंकि कुलदीप यादव और वॉशिंगटन सुंदर पहले से ही टीम में मौजूद हैं। नीतीश कुमार रेड्डी, यशस्वी जायसवाल, ध्रुव जुरेल, प्रसिद्ध कृष्णा और मोहम्मद सिराज वनडे टीम का हिस्सा बने हैं। ये पांचों खिलाड़ी आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 से बाहर रहे थे। विकेटकीपिंग के लिए फर्स्ट चॉइस कीपर के तौर पर केएल राहुल वनडे स्क्वॉड का हिस्सा हैं।

बीसीसीआई अब वनडे फार्मेट में भी युवाओं को देना चाहता है मौका

टीम चयन से यह भी संकेत मिलता है कि बीसीसीआई अब वनडे फॉर्मेट में भी युवा नेतृत्व को अवसर देना चाहता है, ताकि भविष्य में भारत को स्थायी कप्तान मिल सके। विशेष रूप से शुभमन गिल और श्रेयस अय्यर को दी गई जिम्मेदारी उनके नेतृत्व कौशल और मैच जीतने की क्षमता पर भरोसा जताती है। विशेषज्ञ मानते हैं कि यह टीम चयन न सिर्फ आगामी सीरीज के लिए बल्कि 2027 के वनडे वर्ल्ड कप की तैयारियों के लिए भी अहम है। टीम मैनेजमेंट का लक्ष्य है कि युवा खिलाड़ी अनुभव हासिल करें और टीम को मजबूत नेतृत्व मिले। इस टीम चयन ने साफ किया कि बीसीसीआई भविष्य के लिए कप्तान तैयार करने की दिशा में सक्रिय रूप से काम कर रहा है। शुभमन गिल और श्रेयस अय्यर भारतीय क्रिकेट का नेतृत्व संभालने के लिए तैयार किए जा रहे हैं। उधर ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए टी20 टीम में ज्यादा फेरबदल नहीं किया गया है। एशिया कप जीतने वाली टीम के 14 खिलाड़ी टी20 स्क्वॉड का हिस्सा हैं।

भारत की 15 सदस्यीय वनडे टीम

शुभमन गिल कप्तान, श्रेयस अय्यर उप-कप्तान, रोहित शर्मा, विराट कोहली, अक्षर पटेल, केएल राहुल विकेटकीपर, नीतीश कुमार रेड्डी, वॉशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), यशस्वी जायसवाल।

भारत की 16 सदस्यीय टी20 टीम

सूर्यकुमार यादव कप्तान, शुभमन गिल उप-कप्तान, अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, नीतीश कुमार रेड्डी, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), वरुण चक्रवर्ती, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, संजू सैमसन विकेटकीपर, रिंकू सिंह और वॉशिंगटन सुंदर।

ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भारतीय टीम 19 अक्टूबर पर्थ, 23 अक्टूबर एडिलेड और 25 अक्टूबर सिडनी को मेजबान देश के खिलाफ वनडे मुकाबले खेलेगी। फिर 29 अक्टूबर कैनबरा, 31 अक्टूबर मेलबर्न, 2 नवंबर होबार्ट, 6 नवंबर गोल्ड कोस्ट और 8 नवंबर ब्रिस्बेन को टी20 मैचों का आयोजन होगा।

हमें 20 मैच खेलने को मिलेंगे

नए कप्तान शुभमन ने सेट किया टारगेट, सामने आया पहला रिएक्शन

नई दिल्ली , एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले रोहित शर्मा को वनडे कप्तान के तौर रिप्लेस करने वाले शुभमन गिल का पहला रिएक्शन सामने आ गया है। अब टेस्ट के साथ-साथ 50 ओवरों के क्रिकेट की जिम्मेदारी संभालने जा रहे गिल ने साफ किया कि उनका इस फॉर्मेट में अगला टारगेट विश्व कप 2027 है। पंजाब के युवा मुंडे ने साफ कर दिया कि क्रिकेट के इस महाकुंभ से पहले हमें वनडे में कुल 20 मैच खेलने को मिलेंगे। इसपर उनका पूरा फोकस रहेगा।

हमारे पास 20 मैच हैं- बीसीसीआई द्वारा पोस्ट किए गए वीडियो में शुभमन गिल ने कहा, ÷अपने देश की वनडे में कप्तानी करना सबसे बड़ा सम्मान है। इतना अच्छा प्रदर्शन करने वाली टीम का नेतृत्व करना मेरे लिए बहुत गर्व की बात है। मुझे उम्मीद है कि मैं अच्छा प्रदर्शन कर पाऊंगा।÷ गिल ने आगे कहा, ÷दक्षिण अफ्रीका में विश्व कप खेलने से पहले हमारे पास लगभग 20 वनडे मैच हैं, जो निश्चित रूप से हमारा अंतिम लक्ष्य है। हम जो भी खेलेंगे और जिन खिलाड़ियों के साथ खेलेंगे, वे विश्व कप से पहले एक शानदार सीजन खेलने की पूरी कोशिश करेंगे। उम्मीद है कि दक्षिण अफ्रीका जाकर खिताब जीतने से पहले हम पूरी तरह तैयार होंगे।

भज्जी ने उठाए कप्तानी में बदलाव पर सवाल

उधर, रोहित शर्मा को वनडे में कप्तानी से हटाए जाने पर हरभजन सिंह सहित कई पूर्व क्रिकेटर्स ने सवाल उठाए। कहा गया कि अभी 7 महीने पहले ही हिटमैन ने भारत को आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी जिताई थी। ऐसे में इतनी जल्दी टीम इंडिया की वनडे कप्तानी में बदलाव की कोई जरूरत नहीं थी। कहा गया कि वनडे वर्ल्ड कप में काफी वक्त है। ऐसे में कम से कम ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए तो रोहित शर्मा के पास ही टीम की कमान होनी चाहिए थी।

महिला विश्व कप: भारत-पाकिस्तान आज फिर होंगे आमने-सामने

हाईवोल्टेज मैच से पहले खौफ में पाक कप्तान सना, भारत को बताया मजबूत

कोलंबो , एजेंसी

महिला विश्व कप में रविवार को भारत-पाकिस्तान के बीच मुकाबला खेला जाना है। कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में दोनों देश आमने-सामने होंगे। इस हाई-वोल्टेज मैच से पहले पाकिस्तानी कप्तान फातिमा सना ने स्वीकारा है कि भारतीय टीम फिलहाल मजबूत स्थिति में है।

पाकिस्तानी कप्तान ने कहा, ÷पिछले कुछ महीनों में खिलाड़ियों के प्रदर्शन को देखते हुए मुझे अपनी टीम पर पूरा भरोसा है। सभी अच्छी लय में हैं और अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। हम जानते हैं कि भारतीय टीम मजबूत है। हमने देखा कि पिछली सीरीज में उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ किस तरह का प्रदर्शन किया। स्मृति मंधाना, जेमिमा रोड्रिगेज और ऋचा घोष ने वाकई अच्छा खेला है। दोनों टीमें परिस्थितियों से वाकिफ हैं। हम भारत के खिलाफ अच्छा क्रिकेट खेलने की कोशिश करेंगे। वहीं, भारत की स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना के मुताबिक, दोनों देशों के बीच हाई-वोल्टेज मैच के दौरान माहौल बहुत रोमांचक होता है। हर कोई पाकिस्तान के खिलाफ जीतने के लिए कहता है।

कई हाईवोल्टेज मैच खेलने का अनुभव: कौर

भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर को भारत-पाकिस्तान के बीच कई हाई-वोल्टेज मैच खेलने का अनुभव है। उन्होंने कहा, हम भारत-पाकिस्तान के मैच देखते हुए बड़े हुए हैं। हमेशा से हम इन मुकाबलों का हिस्सा बनना चाहते थे। हम हमेशा इसे किसी भी अन्य मैच की तरह ही मानने और मुकाबले पर फोकस रखने की बात करते हैं। इसके साथ ही भारतीय कप्तान ने जोश और संयम के बीच संतुलन बनाए रखने की बात भी कही। ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने कहा, भारत-पाकिस्तान के बीच मैच का महत्व और रोमांच हमेशा अन्य मैचों की तुलना में ज्यादा होता है।

मार्श ने की बाबर आजम की बराबरी, हासिल की अनूठी उपलब्धि

नई दिल्ली । ऑस्ट्रेलिया टी20 फॉर्मेट के कप्तान मिशेल मार्श ने न्यूजीलैंड के खिलाफ शनिवार को खेले गए टी20 मुकाबले में शानदार शतक लगाते हुए न सिर्फ अपनी टीम को जीत दिलाई बल्कि बतौर कप्तान एक बड़ी उपलब्धि हासिल की। मार्श से पहले बतौर कप्तान यह उपलब्धि सिर्फ बाबर आजम ने हासिल की थी। न्यूजीलैंड के 157 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने 18 ओवर में 7 विकेट पर 160 रन बनाकर मैच 3 विकेट से जीता। इस जीत में कप्तान मिशेल मार्श की यादगार बल्लेबाजी की अहम भूमिका रही। मार्श ने 52 गेंद पर 7 छक्के और 8 चौके लगाते हुए नाबाद 103 रन की पारी खेली। उन्हें इस यादगार पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच का खिताब दिया गया।

पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेटर कनेरिया कानागरिकता पर दिया बड़ा बयान

मेरे लिए भारत मंदिर की तरह, पाकिस्तान मेरी जन्मभूमि है, लेकिन भारत मातृभूमि है

नई दिल्ली , एजेंसी

पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेटर दानिश कनेरिया अपने बयानों को लेकर सुर्खियों में रहते हैं। कनेरिया ने उन अफवाहों को खारिज कर दिया है जिनमें कहा जा रहा था कि वो भारत की नागरिकता लेना चाहते हैं। कनेरिया ने हालिया दिनों में भारत के आंतरिक मामलों पर सकारात्मक टिप्पणियां की थी, जिसके कारण चर्चाओं का बाजार गर्म था।

दानिश कनेरिया पाकिस्तान के लिए खेलने वाले दूसरे हिंदू क्रिकेटर हैं। इससे पहले उनके चचेरे भाई अनिल दलपत ने इंटरनेशनल क्रिकेट में पाकिस्तान का प्रतिनिधित्व किया था। कनेरिया कहा कि पाकिस्तान में उन्हें क्रिकेट बोर्ड और अधिकारियों से भेदभाव का सामना करना पड़ा। कनेरिया ने यह भी याद दिलाया कि पाकिस्तान उनकी जन्मभूमि है, लेकिन भारत उनके पूर्वजों की धरती होने के नाते उनकी मातृभूमि है।

दानिश कनेरिया ने ङ्क पर लिखा, हाल ही में कई लोगों ने मुझसे पूछा कि मैं पाकिस्तान पर क्यों नहीं बोलता, भारत के आंतरिक मामलों पर क्यों टिप्पणी करता हूं। कुछ तो यह भी आरोप लगा रहे हैं कि मैं यह सब भारतीय नागरिकता पाने के लिए करता हूं। ऐसे में यह जरूरी था कि मैं सच सबके सामने रखू। फिलहाल मेरा भारतीय नागरिकता लेने का कोई इरादा नहीं है।

भारत मंदिर की तरह- दानिश कनेरिया

दानिश कनेरिया ने कहा कि भविष्य में अगर कभी उनकी तरह कोई भारतीय नागरिकता लेना चाहे तो इसके लिए पहले से ही नागरिकता संशोधन अधिनियम मौजूद है। कनेरिया लिखते हैं, मेरे लिए भारत मंदिर की तरह है। पाकिस्तान मेरी जन्मभूमि है, लेकिन भारत मेरी मातृभूमि है। मैं हमेशा धर्म और सच्चाई के साथ खड़ा रहूंगा। मैं उन लोगों का पर्दाफाश करता रहूंगा जो समाज को तोड़ने का काम कर रहे है। उन्होंने अपनी पोस्ट का अंत जय श्री राम कहकर किया।बता दें कि सीएए के तहत पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से प्रताड़ित होकर आए अल्पसंख्यक हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई भारतीय नागरिकता के पात्र हो सकते हैं।

भोजपुरी और हिंदी फिल्मों में अपनी क्यूटनेस से फैंस का दिल जीतने वाली भाग्यश्री अब टीवी पर राज कर रही हैं। एक्ट्रेस ने इंडस्ट्री में कई साल तक काम किया है लेकिन शादी और बच्चों की परवरिश के चलते कुछ इंडस्ट्री को अलविदा कह दिया। अब एक्ट्रेस सोशल मीडिया के जरिए फैंस के बीच बनी रहती हैं और अपने अनुभव भी शेयर करती हैं। एक्ट्रेस ने अब अच्छा इंसान होने का मूल-मंत्र दिया है।

शराब -सिगरेट से दूरी भाग्यश्री ने दिया अच्छा इंसान बनने का मंत्र

भाग्यश्री ने अपने इंस्टा पर एक पोस्ट शेयर किया है, जिसमें अच्छा इंसान होने के गुण बताए गए हैं। एक्ट्रेस के मोटिवेशनल पोस्ट पर लिखा है, ÷शराब और सिगरेट न पीना, पार्टी न करने का मतलब ये नहीं है कि आपकी परवरिश अच्छे से हुई है, बल्कि आपका लोगों के प्रति व्यवहार कैसा है, कैसे मैनर्स हैं, और आप लोगों की कितनी इज्जत करते हो, ये मायने रखता है।एक्ट्रेस का मोटिवेशनल पोस्ट फैंस को पसंद आ रहा है।

एक्ट्रेस भाग्यश्री ने टीवी के रियलिटी शोज और फिल्मों में वापसी कर ली है। एक्ट्रेस सुपर डांसर चैप्टर 5 में खास अपीरियंस के लिए जाने वाली हैं, जिसका प्रोमो भी रिलीज हो चुका है। इसके अलावा, एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर अपनी कुकिंग वीडियो पोस्ट करती हैं और हल्दी खाने की रेसिपी भी शेयर करती हैं। सोशल मीडिया पर एक्ट्रेस को चाहने वालों की कमी नहीं है; उन्हें इंस्टाग्राम पर 2.5 मिलियन लोग फॉलो करते हैं।

टीवी सीरियल कच्ची धूप से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी,

वर्क फ्रंट की बात करें तो एक्ट्रेस ने टीवी सीरियल कच्ची धूप से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी, जिसके बाद एक्ट्रेस ने सलमान खान के साथ फिल्म मैंने प्यार किया से बड़े पर्दे पर कदम रखा और पहली ही फिल्म से एक्ट्रेस को बड़ी पहचान मिली। हालांकि एक्ट्रेस का कहना था कि पहली फिल्म में सलमान के साथ शूटिंग करने में हिचक महसूस हुई थी। फिल्म में किसिंग सीन भी फिल्माया जाने वाला था, लेकिन एक्ट्रेस और सलमान खान दोनों ही असहज हो गए। ऐसे में खुद भाग्यश्री ने किसिंग सीन में शीशे रखने का प्रस्ताव दिया था। इस किसिंग सीन को आज भी याद किया जाता है क्योंकि सलमान और भाग्यश्री दोनों के लिए ये उनका पहला किसिंग सीन था। इस फिल्म के दोनों स्टार्स किसी का भाई किसी की जान में साथ नजर आए, लेकिन इस फिल्म में भाग्यश्री का रोल बहुत छोटा था।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

मेरे लिए फैशन वह सब कुछ है जो आरामदायक हो: दिव्यांका त्रिपाठी

मुंबई में इन दिनों फैशन वीक 2025 चल रहा है। इसमें बॉलीवुड और टीवी की कई मशहूर हस्तियों ने हिस्सा लिया। यहां लोकप्रिय अभिनेत्री दिव्यंका त्रिपाठी दहिया भी दिखाई दीं। उन्होंने एक विशेष बातचीत में फैशन और ब्रांड्स पर अपने विचार साझा किए। इस दौरान अभिनेत्री ने बताया कि उनके लिए फैशन का क्या मतलब है।

जब उनसे पूछा गया कि क्या वह ब्रैंड के प्रति ज्यादा लगाव रखती हैं, तो दिव्यंका ने कहा, नहीं, मैं ब्रैंड पर ज्यादा ध्यान नहीं देती। मैं अपनी पसंद की चीजें लेना पसंद करती हूं, चाहे उनका ब्रांड कुछ भी हो। अगर वह मुझे पसंद आती है, तो वह अधिक महत्वपूर्ण है। जो मुझे सूट करता है और जो मुझे पसंद है, मैं वही चुनती हूं, चाहे उसका ब्रांड कुछ भी हो।

उनके लिए फैशन के क्या मायने हैं, इस बारे में आगे बात करते हुए दिव्यंका ने बताया, मेरे लिए फैशन वह सब कुछ है जो आरामदायक हो। हां, यह आंखों को भाने वाला होना चाहिए, लेकिन सबसे जरूरी बात यह है कि यह मेरे लिए आरामदायक होना चाहिए। जो भी चीज आरामदायक होने के साथ-साथ आकर्षक भी हो, वह फैशन है, चाहे वह सादा हो या शानदार।दिव्यांका त्रिपाठी अक्सर सार्वजनिक कार्यक्रमों में भारतीय परिधानों में दिखाई देती हैं। उनके फैशन सेंस का लोग जमकर तारीफ करते हैं। वह पारंपरिक और आधुनिक दोनों तरह के परिधानों को अच्छी तरह से कैरी करती दिखाई देती हैं।

युजवेंद्र चहल के बारे में बात करते हुए धनश्री वर्मा की आंखों में आए आंसू

फेमस कोरियोग्राफर धनश्री वर्मा इन दिनों अशनीर ग्रोवर के रियलिटी शो राइज एंड फॉल में हिस्सा लेते हुए दिखाई दे रही हैं। इस शो में उन्होंने अपनी शादी को लेकर कंटेस्टेंट अर्जुन बिजलानी से बात की। इस दौरान उनकी आंखों में आंसू आ गए। रियलिटी शो का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। इसमें अर्जुन बिजलानी कंटेस्टेंट धनश्री वर्मा से पूछते हैं कि उनकी लव मैरिज थी या अरेंज।

इस पर धनश्री ने जवाब दिया, लव और अरेंज मैरिज दोनों। शुरुआत अरेंज मैरिज से हुई थी। तो असल में वह बिना डेटिंग के शादी करना चाहते थे। मेरा कोई प्लान भी नहीं था। अर्जुन बिजलानी ने कहा, मैं उनसे व्यक्तिगत रूप से मिला था। वह एक अच्छे इंसान लगते हैं और अधिक बोलते नहीं हैं। लेकिन कोई और ऐसा नहीं था जो आपके तलाक या झगड़े को बढ़ावा दे रहा हो, है ना? यह कभी समस्या नहीं थी, है ना?

इस पर धनश्री ने कहा, हम इस बारे में बाद में बात करेंगे। फिर अभिनेता ने पूछा, क्या आपको लगता है कि आप दोनों कभी दोस्त बन सकते हैं? इस पर धनश्री ने जवाब दिया, मुझे हमेशा चिंता रहेगी। इतना तो मैं कह सकती हूं। मेरी तरफ से यह चिंता कभी खत्म नहीं होगी। मतलब अभी भी धनश्री वर्मा अपने पूर्व पति चहल को लेकर चिंतित रहती हैं। वीडियो में अर्जुन आगे कहते हैं, पता नहीं। क्योंकि मैं इतने लंबे समय से अगर किसी महिला के साथ रहूं, तो मुझे लगता है रिश्तों के लिए थोड़ी और कोशिश हो सकती है। हालांकि, मुझे यकीन है कि सबके अपने-अपने कारण होंगे। धनश्री इस बात पर मुस्कुराईं और इमोशनल हो गईं। इसके बाद अर्जुन बिजलानी ने उनको गले लगा लिया। बता दें, धनश्री इस बात को दोहरा चुकी हैं कि इस रिश्ते को बचाने के लिए उन्होंने काफी कोशिश की थी, लेकिन ऐसा हो न सका। 2020 में शादी के बंधन में बंधे धनश्री और युजवेंद्र इस साल मार्च में आधिकारिक रूप से तलाक लेकर अलग हो गए थे।

मिस्त्र : दो दशक बाद लोगों के लिए खास मकबरा फिर खुला

काहिरा. मिस्र ने शनिवार को लक्सर शहर में अमेनहोटेप तृतीय की कब्र को करीब दो दशकों की मरम्मत के बाद पर्यटकों के लिए खोल दिया। अमेनहोटेप ने 1390 ईसा पूर्व से 1350 ईसा पूर्व तक शासन किया था। इसे 1799 में खोजा गया था, लेकिन इसका ताबूत और कई कीमती वस्तुएं लूट ली गई थीं। इस मकबरे को ठीक करने के लिए पिछले दो दशकों से काम चल रहा था।

ईरान के चाबहार पोर्ट पर ट्रंप के लगाए गए प्रतिबंध हुए लागू

खतरे में भारत का अरबों डॉलर का निवेश, अमेरिका से बढ़ सकता है तनाव!

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से ईरान की चाबहार बंदरगाह प्रोजेक्ट पर भारत के लिए लगाए गए प्रतिबंध लागू हो गए हैं। ईरान के खिलाफ दबाव बनाने की बात कहते हुए ट्रंप प्रशासन ने 16 सितंबर को 2018 में

चाबहार बंदरगाह के संबंध में भारत को दी गई प्रतिबंधों से छूट वापस ली थी। इसके बाद सोमवार, 30 सितंबर को ये लागू हो गए हैं। चाबहार पोर्ट पर प्रतिबंध भारत के लिए चिंता का सबब है क्योंकि रणनीतिक तौर पर यह महत्वपूर्ण बंदरगाह है।

अमेरिका ने चाबहार बंदरगाह का संचालन करने या ईरान स्वतंत्रता एवं प्रसार-रोधी अधिनियम (आईएफसीए) में शामिल होने पर प्रतिबंध लागू किए हैं। ये प्रतिबंध सोमवार से प्रभाव में आ गए हैं। इससे चाबहार परियोजना में शामिल भारतीय संस्थाओं को आपूर्तिकर्ता और फाइनेंसर खोजने में मुश्किल होगी। टैरिफ समेत कई मुद्दों पर भारत-अमेरिका संबंध फिलहाल तनावपूर्ण हैं। ऐसे में चाबहार का घटनाक्रम दोनों देशों के संबंधों को और बिगड़ सकते हैं।

ट्रंप का क्या है प्लान

ट्रंप प्रशासन का कहना है कि इन प्रतिबंधों का मकसद चाबहार परियोजना को आपूर्ति और फंड से वंचित करना है। अमेरिकी प्रतिबंधों के तहत सरकारी स्वामित्व वाली इंडिया पोर्ट ग्लोबल लिमिटेड सहित भारतीय और विदेशी कंपनियों के पास चाबहार से बाहर निकलने के लिए 45 दिन का समय होगा। ऐसा ना करने पर अमेरिका स्थित उनकी सभी संपतिया जब्त कर ली जाएंगी और अमेरिकी लेनदेन पर रोक लग जाएगी।

भारत पर असर

भारत के लिए ईरान का चाबहार पोर्ट खास रणनीतिक महत्व रखता है। पिछले एक दशक में भारत ने अफगानिस्तान और पश्चिम एशिया से संपर्क के लिए चाबहार में 500 से 600 मिलियन डॉलर का निवेश किया है। चाबहार पोर्ट ना सिर्फ भारत को कई देशों तक सीधे पहुंच देता है, साथ ही साथ पाकिस्तान के ग्वादर का मुकाबला भी भारत यहां से कर सकता है।

जनरल द्विवेदी ने कहा था आतंकवाद को समर्थन देना बंद नहीं किया तो नक्शे से मिट जाएगा पाक

आर्मी चीफ के बयान पर बौखलाई पाक सेना, कहा - अब युद्ध हुआ तो भारी तबाही

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान को नक्शे से मिटाने वाले भारत के बयान पर पकिस्तान की पहली प्रतिक्रिया आई है। पाकिस्तानी सेना ने कहा है कि अगर दोनों देशों के बीच भविष्य में कोई युद्ध हुआ तो वह बहुत विनाशकारी होगा। पाकिस्तान की सेना शत्रु के हर इलाके में लड़ाई करने में सक्षम है।

पाकिस्तान सेना ने अपने बयान में कहा कि भारतीय रक्षा मंत्री और सेना व वायुसेना प्रमुखों के तेज़ और भड़काऊ बयानों को देखते हुए वे चेतावनी दे रहे हैं कि भविष्य में किसी भी तरह का संघर्ष बहुत विनाशकारी हो सकता है। अगर शत्रुता का नया दौर शुरू हुआ तो पाकिस्तान पीछे नहीं हटेगा। हम बिना हिचकिचाहट और बिना संयम के कड़ा जवाब देंगे। आगे कहा कि जिन लोगों की मंशा नया नियम बनाना है, उन्हें समझ लेना चाहिए कि पाकिस्तान ने अब एक नया तरीका अपना लिया है, यह तरीका तेज, निर्णायक और विनाशकारी होगा। बेवजह की धमकियों और बेतहाशा हमलों का सामना करते हुए पाकिस्तान की जनता और सशस्त्र बलों के पास दुश्मन के हर इलाके तक लड़ने की क्षमता और दृढ़ संकल्प है। इस बार हम भौगोलिक सीमाओं के पीछे छिपने की धारणा को तोड़ देंगे और भारतीय क्षेत्र के सबसे दूरदराज इलाकों तक पहुंच जाएंगे। जहां तक पाकिस्तान को नक्शे से मिटाने की बात है, भारत को जानना चाहिए कि अगर ऐसी कोई स्थिति आई तो इसका असर दोनों तरफ होगा।

जनरल द्विवेदी ने दी थी चेतावनी

भारत के जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने शुक्रवार को कहा था कि पाकिस्तान को आतंकवाद को समर्थन देना बंद करना चाहिए, अगर वह विश्व मानचित्र पर अपनी जगह बनाए रखना चाहता है। इसके एक दिन पहले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा था कि भारत जरूरत पड़ने पर किसी भी सीमा को पार कर सकता है ताकि अपनी सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। जनरल द्विवेदी ने यह भी कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान दिल्ली द्वारा दिखाया गया संयम भविष्य में किसी भी युद्ध में नहीं दोहराया जाएगा. उन्होंने भारतीय सैनिकों से सतर्क रहने और युद्ध के लिए तैयार रहने का अनुरोध किया।

पाक सेना का बयान

हमें भारतीय सुरक्षा प्रतिष्ठान के उच्चतम स्तरों से आ रहे भ्रामक, उत्तेजक और कट्टर-देशभक्ति (जंग को बढ़ावा देने वाले) बयानों पर गंभीर चिंता है। ये गैर-जिम्मेदाराना बयान आक्रामकता के लिए मनमाने बहाने गढ़ने के एक नए प्रयास की ओर इशारा करते हैं। एक ऐसा संभावित कदम जो दक्षिण एशिया में शांति और स्थिरता के लिए गंभीर परिणाम ला सकता है। दशकों से भारत विक्टिम कार्ड खेलने और पाकिस्तान को नकारात्मक रोशनी में रंगकर फायदा लेता रहा है। जबकि वह दक्षिण एशिया और उसके बाहर हिंसा को भड़काता और आतंकवाद फैलाता रहा है। इस नरेटिव का पर्याप्त भंडाफोड़ हो चुका है और अब दुनिया भारत को सीमा-पार आतंकवाद का असली चेहरा और क्षेत्रीय अस्थिरता का केंद्र मानती है।

जॉर्जिया में हिंसक प्रदर्शन राष्ट्रपति भवन को घेरा...

त्बिलिसी, एजेंसी

जॉर्जिया की राजधानी त्बिलिसी में सरकार विरोधी हजारों प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रपति भवन (ओर्बेलियानी पैलेस) पर धावा बोलने की कोशिश की, जिसके बाद पुलिस के साथ उनकी हिंसक झड़प हुई। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए वाटर कैनन, पेपर स्प्रे और आंसू गैस का इस्तेमाल किया। कुछ प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेडिंग तोड़कर राष्ट्रपति भवन परिसर में प्रवेश करने की कोशिश की, जिसके बाद स्थिति तनावपूर्ण हो गई।

जॉर्जिया पिछले साल के संसदीय चुनावों के बाद से ही राजनीतिक संकट के दौर से गुजर रहा है। विपक्ष ने सत्तारूढ़ जॉर्जियन ड्रीम पार्टी पर चुनावों में धांधली का आरोप लगाया है। देश में संसदीय चुनावों की निगरानी करने के लिए नियुक्त किए गए इंटरनेशनल ऑब्जर्वर्स ने भी जॉर्जियन ड्रीम पार्टी की जीत को अनियमितताओं, हिंसा और धमकियों के कारण दोषपूर्ण करार दिया था। इसके बाद पीएम इराकली कोबाखिद्ज़े के नेतृत्व वाली सरकार ने ईयू में शामिल होने की वार्ता को स्थगित कर दिया, जिससे जनता का गुस्सा और भड़क गया।

यूक्रेन के रेलवे स्टेशन पर रूस का ड्रोन हमला

रेल की बोगियों में आग, एक की मौत, 30 घायल

कीव, एजेंसी

रूस ने यूक्रेन में रेलवे स्टेशन पर खड़ी ट्रेन पर ड्रोन हमला किया है। इस हमले 71 वर्षीय व्यक्ति को क्षतिग्रस्त बोगियों में मृत पाया गया है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि कीव के उत्तर पूर्व में शोस्तका में रेलवे स्टेशन पर रूसी ड्रोन हमले कम से कम 30 लोग घायल हुए हैं। शोस्तका कीव के उत्तर-पूर्व में स्थित एक शहर है, जो रूसी सीमा से लगभग 70 किलोमीटर दूर है।

यूक्रेन के उपप्रधानमंत्री ओलेक्सी कुलेबा ने बताया कि रूस ने एक के बाद एक दो यात्री ट्रेनों पर हमला किया। पहले एक स्थानीय सेवा को निशाना बनाया और फिर कीव जाने वाली एक ट्रेन को निशाना बनाया। उन्होंने कहा कि दूसरा ड्रोन तब दागा गया, जब लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला जा रहा था। यूक्रेन के राष्ट्रीय रेल संचालक ओलेक्सांद्र पर्त्सोव्स्की ने इसे अग्रिम पंक्ति के समुदायों के साथ संचार रोकने के उद्देश्य से किया घिनौना हमला कहा है। यूक्रेन के शीर्ष राजनयिक एंड्री सिबिहा ने कहा कि यह रूस की सबसे क्रूर रणनीतियों में से है। इसमें डबल टैप करते हुए दूसरा हमला बचावकर्मियों और वहां से निकाले जा रहे लोगों पर किया।

बिजली ग्रिड पर हमले

रूस ने यूक्रेन के बिजली ग्रिड पर हमले तेज कर दिए हैं। रातभर रूसी ड्रोन और मिसाइलों ने यूक्रेन के विद्युत ग्रिड को निशाना बनाया। विद्युत ग्रिड पर हमलों के कारण रूसी सीमा के निकट उत्तरी शहर चेर्निहिव के निकट ऊर्जा सुविधाएं क्षतिग्रस्त हो गईं। बिजली आपूर्ति बाधित होने के कारण 50,000 घर प्रभावित हैं। हमला यूक्रेन के सरकारी स्वामित्व वाले नैफ्टोगैज समूह के गैस संयंत्रों पर किया गया। इन हमलों का कोई सैन्य उद्देश्य नहीं था, जबकि यूक्रेनी प्रधानमंत्री यूलिया स्विरीडेंको ने रूस पर हमलों को आतंकित करने का आरोप लगाया। मॉस्को ने दावा किया कि हमलों में कीव के युद्ध प्रयासों में सहायक सुविधाओं को निशाना बनाया गया।

नीरव मोदी पर नया मामला दर्ज नहीं होगा, न ही पूछताछ होगी

नई दिल्ली, एजेंसी। बैंक धोखाधड़ी के मामले में भगोड़े कारोबारी नीरव मोदी के प्रत्यर्पण के लिए केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआइ) लंदन की अदालत को आश्वासन दे सकती है कि मोदी पर भारत में न तो नया मामला दर्ज किया जाएगा और न ही मौजूदा मामले में पूछताछ की जाएगी। सीबीआइ को उम्मीद है कि इन नए आश्वासनों और पूर्व में दिए गए भरोसे के कारण उसे नीरव को भारत में लाने की कानूनी बाधाएं दूर हो सकेंगी। दअरसल, लंदन की अदालत आगामी 23 नवंबर को जेल में बंद नीरव मोदी की उस याचिका पर सुनवाई करेगी जिसमें उसके प्रत्यर्पण के मुकदमे को फिर से खोलने की मांग की गई है।

दार्जिलिंग में पुल ढहने से 6 की मौत, भूस्खलन से कई सड़कें बंद

कोलकाता, एजेंसी

दार्जिलिंग में लगातार बारिश के कारण मिरिक इलाके में स्थित दुडिया आयरन ब्रिज ढहने से 6 लोगों की मौत हो गई। ये पुल मिरिक और आसपास के क्षेत्रों को सिलीगुड़ी-कुर्सियांग से जोड़ता था। भारी बारिश के कारण हुए हादसे से पूरे इलाके में अफरा-तफरी मचा गई है। हादसे की जानकारी मिलते ही स्थानीय प्रशासन ने राहत और बचाव का काम शुरू कर दिया है। हालांकि, भूस्खलन और बाढ़ के खतरे ने रेस्क्यू ऑपरेशन में मुश्किलें आ रही हैं। हादसे पर पीएम मोदी ने दुख जताया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस घटना पर दुख जताया है। पीएम ने एक्स पर लिखा, दार्जिलिंग में एक पुल दुर्घटना में हुई जान-माल की हानि से अत्यंत दुखी हूं। जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति संवेदना। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। भारी बारिश और भूस्खलन के मद्देनजर दार्जिलिंग और आसपास के इलाकों की स्थिति पर कड़ी नजर रखी जा रही है।

बिना फास्टैग वाले वाहनों को नहीं देना होगा दोगुना जुर्माना

नई दिल्ली, एजेंसी

राष्ट्रीय राजमार्गों पर टोल वसूली में नकद लीक को रोकने के लिए केंद्र सरकार ने नया प्रावधान लागू किया है। अब यदि वाहन चालक बिना फास्टैग टोल प्लाजा पर पहुंचते हैं और यूपीआइ से भुगतान करते हैं, तो उन्हें केवल डेढ़ गुना (1.25 गुना) शुल्क ही देना होगा। यह नियम 15 नवंबर से लागू होगा।

परिवहन मंत्रालय ने अधिसूचना जारी कर कहा कि यदि किसी वाहन पर फास्टैग नहीं है या वह इनएक्टिव है और चालक टोल शुल्क यूपीआइ के जरिए अदा करता है, तो उससे निर्धारित शुल्क का 1.25 गुना ही लिया जाएगा। अभी तक ऐसे वाहनों को दोगुना शुल्क (200 प्रतिशत तक) चुकाना पड़ता था। नई व्यवस्था में उदाहरण के तौर पर यदि शुल्क 100 रु. है, तो फास्टैग न होने पर नकद भुगतान करने पर 200 रु. देना पड़ता है, लेकिन यूपीआइ से भुगतान करने पर अब केवल 125 रु. देना होगा।

फास्टैग से मिली सफलता

सरकार के अनुसार, फास्टैग से एवरेज वेटिंग टाइम घटकर 47 सेकंड रह गया है। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी पहले ही कह चुके हैं कि टोल कलेक्शन में हर साल करीब 10 हजार करोड़ का राजस्व नकद लीक से प्रभावित होता है। जून 2024 में मंत्रालय ने सैटेलाइट आधारित टोल प्रणाली लागू करने की दिशा में कदम भी उठाए थे।

मेट्रो एंकर सना जावेद के साथ अनबन का वीडियो हो रहा वायरल

सानिया मिर्जा के बाद तीसरे तलाक की ओर शोएब मलिक

लाहौर, एजेंसी

पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर शोएब मलिक तीसरी बार तलाक करने के मूड में नजर आ रहे हैं। उनकी पत्नी सना जावेद के साथ उनका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। शोएब और उनकी तीसरी पत्नी सना जावेद की शादी को अभी कुछ ही महीने हुए हैं। लेकिन अब उनके रिश्ते को लेकर नई अटकलें लगाई जा रही हैं। वायरल वीडियो में शोएब और सना एक इवेंट में एक-दूसरे से काफी दूर बैठे दिख रहे हैं। उनके बीच कोई बातचीत भी नहीं दिख रही है।

इसी वजह से फैंस यह कयास लगा रहे हैं कि शोएब मलिक शायद अपने तीसरे तलाक की ओर बढ़ रहे हैं। यह सब उनकी पिछली दो शादियों और तलाक के बाद हो रहा है, जिसने पहले ही काफी सुर्खियां बटोरी थीं। मलिक की निजी जिंदगी हमेशा से ही लोगों की नजरों में रही है। उनकी पहली शादी आयशा सिद्दीकी से हुई थी, जो 8 साल तक चली।

2010 में सानिया मिर्जा से शादी हुई

आयशा से तलाक के कुछ ही दिनों बाद, 2010 में शोएब ने भारतीय टेनिस स्टार सानिया मिर्जा से शादी कर ली थी। इस कपल ने 8 साल बाद 2018 में अपने बेटे इज़हान मिर्जा मलिक का स्वागत किया था। लेकिन उनके रिश्ते में भी खटास आने लगी। आखिरकार, 2024 में सानिया ने खुला के जरिए शोएब से तलाक ले लिया। सानिया के परिवार ने बाद में इस बात की पुष्टि की थी। शोएब की बहन ने पहले बताया था कि सानिया ने उन्हें इसलिए छोड़ा क्योंकि वह उनके अफेयर्स से तंग आ चुकी थीं।

फिर सना जावेद से की शादी

सानिया से तलाक के कुछ ही महीनों बाद जनवरी 2024 में शोएब मलिक ने पाकिस्तानी एक्ट्रेस सना जावेद से शादी कर ली। यह शादी कराची में सना के घर पर एक निजी निकाह समारोह में हुई थी। रिपोर्ट्स के अनुसार शोएब का परिवार इस निकाह में मौजूद नहीं था। अब उनकी तीसरी शादी के कुछ ही समय बाद एक नया विवाद खड़ा हो गया है और लोग उनके रिश्ते पर सवाल उठा रहे हैं।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया** **स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564